

قرآن مجید

لہجہ لکھنؤی ترجمہ

وَمَالِیَ

پارا - 23

eParah

وَمَا لِي	لَا أَعْبُدُ	الَّذِي	فَطَرَنِي	وَالْيَهُ	تُرْجَعُونَ 22
और क्या है	मुझे	कि ना मैं इबादत करूं	उसकी जिसने	पैदा किया मुझे	और उसी की तरफ़
और क्या है	मुझे	कि ना मैं इबादत करूं	उसकी जिसने	पैदा किया मुझे	और उसी की तरफ़
عَاتِّخُ	مِنْ دُونِهِ	إِلَهَةً	إِنْ	يُرِدُنْ	الرَّحْمَنُ
क्या मैं बना लूं	उसके सिवा	कुछ इलाह	अगर	इरादा करे मेरे साथ	रहमान
لَا تُغْنِ	عَنِّي	شَفَاعَتَهُمْ	شَيْئًا	وَلَا	يُنْقِذُونِ 23
ना काम आएगी	मुझे	शफ़ाअत उनकी	कुछ भी	और ना	वो बचा सकेंगे मुझे
إِذَا	لَفِيَ ضَلِيلٍ	مُبِينٍ 24	إِنِّي	أَمَنْتُ	بِرَبِّكُمْ
तब	अलबत्ता गुमराही में हूंगा	खुली-खुली	बेशक मैं	ईमान लाया मैं	तुम्हारे रब पर
قِيلَ ادْخُلِ	الْجَنَّةَ 25	قَالَ	يَلَيْتَ	قَوْمِي	يَعْلَمُونَ 26
कहा गया	जन्नत में	उसने कहा	ऐ काश	मेरी क्रौम (के लोग)	वो जान लेते
غَفَرَنِي	رَبِّي	وَجَعَلَنِي	مِنَ الْبُكَرَمِينَ 27	وَمَا	أَنْزَلْنَا
बख़्श दिया मुझे	मेरे रब ने	और उसने बना दिया मुझे	बाइज़त लोगों में से	और नहीं	उतारा हमने
عَلَى قَوْمِهِ	مِنْ بَعْدِهِ	مِنْ جُنْدٍ	مِّنَ السَّيِّئِ	وَمَا	كُنَّا
उसकी क्रौम पर	उसके बाद	कोई लश्कर	आसमान से	और ना	थे हम
إِنْ	كَانَتْ	إِلَّا	صِيْحَةً	وَاحِدَةً	فَإِذَا
ना	थी वो	मगर	चिंघाड़	एक ही	तो यकायक
يَحْسِرَةً	عَلَى الْعِبَادِ 28	مَا	يَأْتِيهِمْ	مِّنْ رَّسُولٍ	إِلَّا
हाय अफ़सोस	बंदों पर	नहीं	आया उनके पास	कोई रसूल	मगर
يَسْتَهْزِءُونَ 30	أَلَمْ	يَرَوْا	كَمْ	أَهْلَكْنَا	قَبْلَهُمْ
वो मज़ाक़ उड़ाते	क्या नहीं	उन्होंने देखा	कितने ही	हलाक कर दिए हमने	इनसे पहले

أَنَّهُمْ	إِلَيْهِمْ	لَا يَرْجِعُونَ ³¹	وَإِنْ	كُلُّ	لَبَّا	جَمِيعٌ	لَدَيْنَا
बेशक वो	तरफ़ उनके	नहीं वो लौटेंगे	और नहीं	वो सब	मगर	सब के सब	हमारे ही पास
مُحْضَرُونَ ³²	وَآيَةٌ	لَّهُمْ	الْأَرْضُ	الْبَيْتَةُ ³³	أَحْيَيْنَاهَا		
हाज़िर किए जाएंगे	और एक निशानी है	उनके लिए	ज़मीन	मुर्दा	ज़िंदा किया हमने उसे		
وَأَخْرَجْنَا	مِنْهَا	حَبًّا	فَمِنْهُ	يَا كُلُونَ ³³	وَجَعَلْنَا	فِيهَا	جَنَّتِ
और निकाला हमने	उससे	गल्ला	तो उससे	वो खाते हैं	और बनाए हमने	उसमें	बागात
مِّنْ نَّخِيلٍ	وَاعْنَابٍ	وَفَجَّرْنَا	فِيهَا	مِنَ الْعُيُونِ ³⁴	لِيَأْكُلُوا		
खजूरों के	और अंगूरों के	और जारी किए हमने	उसमें	चश्में	ताकि वो खाएँ		
مِنْ ثَمَرِهِ ³⁵	وَمَا	عَمِلَتْهُ	أَيْدِيهِمْ ³⁵	أَفَلَا	يَشْكُرُونَ ³⁵		
उसके फल से	हालांकि नहीं	बनाया उसे	उनके हाथों ने	क्या फिर नहीं	वो शुक्र अदा करते		
سُبْحَنَ	الَّذِي	خَلَقَ	الْأَزْوَاجَ	كُلَّهَا	مِمَّا	تُنْبِتُ	الْأَرْضُ
पाक है	वो जिसने	पैदा किए	जोड़े	सब के सब	उसमें से जो	उगाती है	ज़मीन
وَمِنَ أَنْفُسِهِمْ	وَمِمَّا	لَا يَعْلَمُونَ ³⁶	وَآيَةٌ	لَّهُمْ	الَّيْلُ ³⁶		
और उनके अपने नफ़्सों में से	और उसमें से जो	नहीं वो जानते	और एक निशानी	उनके लिए	रात है		
نَسْلَخُ	مِنْهُ	النَّهَارَ	فَإِذَا	هُمْ	مُظْلِمُونَ ³⁷	وَالشَّمْسُ	
हम खींच लेते हैं	उससे	दिन को	तो यकायक	वो	अंधेरे में हो जाते हैं	और सूरज	
تَجْرِي	لِاسْتَقَرٍّ	لَهَا ³⁸	ذَلِكَ	تَقْدِيرُ	الْعَزِيزِ	الْعَلِيمِ ³⁸	وَالْقَمَرِ
वो चल रहा है	ठिकाने के लिए	अपने	ये	अंदाज़ा है	बहुत ज़बरदस्त का	ख़ूब इल्म वाले का	और चांद की
قَدَرْنَاهُ	مَنَازِلَ	حَتَّى	عَادَ	كَالْعُرْجُونِ	الْقَدِيمِ ³⁹		
मुक़रर की हमने उसकी	मंज़िलें	यहां तक कि	वो दोबारा हो जाता है	खजूर की सूखी शाख़ की तरह	जो पुरानी हो		

لَا الشَّمْسُ	يَنْبَغِي	لَهَا	أَنْ	تُدْرِكَ	الْقَمَرَ	وَلَا	الَّيْلُ
ना सूरज	लायक है	उसके लिए	कि	वो जा पकड़े	चांद को	और ना	रात
سَابِقُ	النَّهَارِ ط	وَكُلُّ	فِي فَلَكَ	يَسْبَحُونَ ④0	وَآيَةٌ		
सबकत ले जाने वाली है	दिन से	और सब के सब	एक मदार में	तैर रहे हैं	और एक निशानी है		
لَهُمْ	أَنَا	حَمَلْنَا	ذُرِّيَّتَهُمْ	فِي الْفَلَكَ	الْبَشَحُونَ ④1	وَخَلَقْنَا	
उनके लिए	बेशक हम	सवार किया हमने	उनकी औलाद को	कश्ती में	भरी हुई	और पैदा की हमने	
لَهُمْ	مِّنْ مِّثْلِهِ	مَا	يَرْكَبُونَ ④2	وَإِنْ	نَّشَأُ	نُغْرِقُهُمْ	فَلَا
उनके लिए	उस जैसी (चीजों) से	जिन पर	वो सवार होते हैं	और अगर	हम चाहें	हम गर्क कर दें उन्हें	तो नहीं
صَرِيخَ	لَهُمْ	وَلَا	هُمْ	يُنْقَذُونَ ④3	إِلَّا رَحْمَةً	مِّنَّا	وَمَتَاعًا
कोई फ़रियादरस	उनके लिए	और ना	वो	बचाए जा सकेंगे	सिवाय	रहमत के	हमारी तरफ़ से
إِلَى حِينٍ ④4	وَإِذَا	قِيلَ	لَهُمْ	اتَّقُوا	مَا	بَيْنَ أَيْدِيكُمْ	
एक मुद्दत तक	और जब	कहा जाता है	उन्हें	डरो	उससे जो	तुम्हारे सामने है	
وَمَا	خَلْفَكُمْ	لَعَلَّكُمْ	تُرْحَمُونَ ④5	وَمَا	تَأْتِيهِمْ	مِّنْ آيَةٍ	
और जो	तुम्हारे पीछे है	ताकि तुम	रहम किए जाओ	और नहीं	आती उनके पास	कोई निशानी	
مِّنْ آيَاتِ	رَبِّهِمْ	إِلَّا	كَانُوا	عَنْهَا	مُعْرِضِينَ ④6	وَإِذَا	قِيلَ
निशानियों में से	उनके रब की	मगर	होते हैं वो	उससे	ऐराज़ करने वाले	और जब	कहा जाता है
لَهُمْ	أَنْفِقُوا	مِمَّا	رَزَقَكُمْ	اللَّهُ	قَالَ	الَّذِينَ	كَفَرُوا
उन्हें	खर्च करो	उसमें से जो	रिज़क दिया तुम्हें	अल्लाह ने	कहते हैं	वो जिन्होंने	कुफ़ किया
لِلَّذِينَ	أَمَنُوا	أَنْطِعُمْ	مَنْ	لَوْ	يَشَاءُ	اللَّهُ	أَطَعَهُ ④7
उनसे जो	ईमान लाए	क्या हम खिलाएँ	उसको जिसे	अगर	चाहता	अल्लाह	वो खिला देता उसे
							नहीं

أَنْتُمْ	إِلَّا	فِي ضَلَالٍ	مُبِينٍ ④7	وَيَقُولُونَ	مَتَى	هَذَا	الْوَعْدُ
तुम	मगर	गुमराही में	खुली-खुली	और वो कहते हैं	कब होगा	ये	वादा
إِنْ	كُنْتُمْ	صَادِقِينَ ④8	مَا	يَنْظُرُونَ	إِلَّا	صِيْحَةً	وَاحِدَةً
अगर	हो तुम	सच्चे	नहीं	वो इन्तिज़ार कर रहे	मगर	चिंघाड़ का	एक ही
تَأْخُذُهُمْ	وَهُمْ	يَخْصِمُونَ ④9	فَلَا	يَسْتَطِيعُونَ	تَوْصِيَةً	وَلَا	
वो पकड़ लेगी उन्हें	जबकि वो	वो झगड़ रहे होंगे	पस ना	वो इस्तिताअत रखते होंगे	वसीयत करने की	और ना	
إِلَىٰ أَهْلِهِمْ	يَرْجِعُونَ ⑤0	وَنُفِخَ	فِي الصُّورِ	فَإِذَا	هُمْ		
तरफ़ अपने घर वालों के	वो पलट सकेंगे	और फूँका जाएगा	सूर में	तो यकायक	वो		
مِّنَ الْجَدَاثِ	إِلَىٰ رَبِّهِمْ	يَنْسِلُونَ ⑤1	قَالُوا	يُؤْيِلْنَا	مَنْ		
कब्रों से	तरफ़ अपने रब के	वो तेज़ी से चल रहे होंगे	वो कहेंगे	हाय अफ़सोस हम पर	किसने		
بَعَثْنَا	مِنْ مَّرْقَدِنَا ⑤2	هَذَا	مَا	وَعَدَ	الرَّحْمَنُ	وَصَدَقَ	
उठा दिया हमें	हमारी ख़्वाबगाहों से	ये है	वो जो	वादा किया था	रहमान ने	और सच कहा था	
الْمُرْسَلُونَ ⑤2	إِنْ	كَانَتْ	إِلَّا	صِيْحَةً	وَاحِدَةً	فَإِذَا	هُمْ
रसूलों ने	ना	होगी वो	मगर	चिंघाड़	एक ही	तो यकायक	वो
جَمِيعُ	لَدَيْنَا	مُحْضَرُونَ ⑤3	فَالْيَوْمَ	لَا تُظْلَمُ	نَفْسٌ	شَيْئًا	وَلَا
सब के सब	हमारे पास	हाज़िर किए जाएंगे	तो आज के दिन	ना जुल्म किया जाएगा	किसी नफ़्स पर	कुछ भी	और ना
تُجْزَوْنَ	إِلَّا	مَا	كُنْتُمْ	تَعْمَلُونَ ⑤4	إِنَّ	أَصْحَابَ الْجَنَّةِ	الْيَوْمَ
तुम बदला दिए जाओगे	मगर	जो	थे तुम	तुम अमल करते	बेशक	जन्नत वाले	आज के दिन
فِي شُغْلٍ	فَكِهِونَ ⑤5	هُمْ	وَ	أَزْوَاجُهُمْ	فِي ظِلِّ	عَلَى الْأَرَائِكِ	
मशग़लों में	खुश हो रहे होंगे	वो	और बीवियां उनकी	सायों में	तख्तों पर		

مَتَّكُونَ 56	لَهُمْ	فِيهَا	فَاِكْهَةٌ	وَلَهُمْ	مَا	يَدْعُونَ 57
तकिया लगाए हुए होंगे	उनके लिए	उसमें	फल होंगे	और उनके लिए होगा	जो	वो तलब करेंगे
سَلَامٌ ٢	قَوْلًا	مِّن رَّبِّ	رَّحِيمٍ 58	وَامْتَازُوا	الْيَوْمَ	أَيُّهَا
सलाम	कौल होगा	रब की तरफ़ से	जो निहायत रहम करने वाला है	और अलग हो जाओ	आज के दिन	ऐ
الْبُجْرُمُونَ 59	أَلَمْ	أَعْهَدُ	إِلَيْكُمْ	يَبْنَى	أَدَمَ	أَنْ
मुजरिमों	क्या नहीं	मैंने ताकीद की थी	तुम्हें	ऐ बनी	आदम	कि
لَا تَعْبُدُوا	الشَّيْطَانَ ج	إِنَّهُ	لَكُمْ	عَدُوٌّ	مُّبِينٌ 60	وَأَنْ
ना तुम इबादत करना	शैतान की	बेशक वो	तुम्हारा	दुश्मन है	खुल्लम-खुल्ला	और ये कि
اعْبُدُونِي ٢	هَذَا	صِرَاطٌ	مُّسْتَقِيمٌ 61	وَلَقَدْ	أَضَلَّ	مِنْكُمْ
इबादत करो मेरी	ये	रास्ता है	सीधा	और अलबत्ता तहकीक	उसने गुमराह कर दिया	तुम में से
جِبَلًا	كَثِيرًا ١	أَفَلَمْ	تَكُونُوا	تَعْقِلُونَ 62	هَذِهِ	جَهَنَّمَ
मखलूक को	बहुत सी	क्या फिर नहीं	थे तुम	तुम अक्ल से काम लेते	ये है	जहन्नम
كُنْتُمْ	تُوعِدُونَ 63	إِصْلَوْهَا	الْيَوْمَ	بِهَا	كُنْتُمْ	تَكْفُرُونَ 64
थे तुम	तुम वादा किए जाते	दाखिल हो जाओ इसमें	आज के दिन	बवजह उसके जो	थे तुम	तुम कुफ़र करते
الْيَوْمَ	نَخْتِمُ	عَلَىٰ أَفْوَاهِهِمْ	وَتُكَلِّمُنَا	أَيْدِيهِمْ	وَتَشْهَدُ	
आज	हम मोहर लगा देंगे	उनके मुंहों पर	और कलाम करेंगे हमसे	हाथ उनके	और गवाही देंगे	
أَرْجُلُهُمْ	بِهَا	كَانُوا	يَكْسِبُونَ 65	وَلَوْ	نَشَاءُ	لَطَسْنَا
पांव उनके	बवजह उसके जो	थे वो	वो कमाई करते	और अगर	हम चाहें	अलबत्ता हम मिटा दें
عَلَىٰ أَعْيُنِهِمْ	فَاسْتَبَقُوا	الصِّرَاطَ	فَأَنَّىٰ	يُبْصِرُونَ 66	وَلَوْ	نَشَاءُ
उनकी आंखों को	पस वो दौड़ें	रास्ते (की तरफ़)	तो कैसे	वो देख सकेंगे	और अगर	हम चाहें

لَسَخْنُهُمْ	عَلَى مَكَانَتِهِمْ	فَبَا	اسْتَطَاعُوا	مُضِيًّا	وَلَا
अलबत्ता मसख्र कर दें हम उन्हें	उनकी जगहों पर	तो ना	वो इस्तिताअत रखते होंगे	चलने की	और ना
يَرْجِعُونَ 67	وَمَنْ	نُعِيرُهُ	نُنَكِّسُهُ	فِي الْخَلْقِ ط	أَفَلَا
वो पलट सकेंगे	और वो जो	हम उग्र देते हैं उसे	हम उलटा देते हैं उसे	साख्त में	क्या भला नहीं
يَعْقِلُونَ 68	وَمَا	عَلَّمْنَاهُ	الشَّعَرَ	وَمَا	يَنْبَغِي لَهُ ط
वो अकल रखते	और नहीं	सिखाया हमने उसे	शेर	और नहीं	ज़ेब देता उसे
هُوَ إِلَّا ذَكَرٌ	وَقُرْآنٌ	مُبِينٌ 69	لِيُنْذِرَ	مَنْ	كَانَ حَيًّا
वो मगर	एक नसीहत	और कुरआन	वाज़ेह	उसे जो	है ज़िंदा
وَيَحِقُّ الْقَوْلُ	عَلَى الْكَافِرِينَ 70	أَوَلَمْ	يَرَوْا	أَنَّا	خَلَقْنَا
और साबित हो जाए	काफ़िरोँ पर	क्या भला नहीं	उन्होंने देखा	बेशक हम	पैदा किया हमने
لَهُمْ مِمَّا عَمِلَتْ	أَيْدِينَا	أَنْعَامًا	فَهُمْ	لَهَا	مُلْكُونَ 71
उनके लिए	उसमें से जो	बनाया	हमारे हाथों ने	मवेशियों को	तो वो उनके मालिक हैं
وَذَلَّلْنَاهَا	لَهُمْ	فِيْنَهَا	رَكُوبُهُمْ	وَمِنْهَا	يَأْكُلُونَ 72
और मृतीअ कर दिया हमने उन्हें	उनके लिए	तो उनमें से कुछ	सवारियाँ हैं उनकी	और उनमें से कुछ को	वो खाते हैं
وَلَهُمْ فِيْهَا	مَنْفَعٌ	وَمَشَارِبٌ ط	أَفَلَا	يَشْكُرُونَ 73	وَاتَّخَذُوا
और उनके लिए	उनमें	कई फ़ायदे हैं	और पीने की चीज़ें हैं	क्या फिर नहीं	वो शुक्र करते और उन्होंने बना लिए
مِنْ دُونِ	اللّٰهِ	الِإِهَةِ	لَعَلَّهُمْ	يُنْصَرُونَ ط	لَا يَسْتَطِيعُونَ
सिवाए	अल्लाह के	कई इलाह	ताकि वो	वो मदद किए जाएँ	नहीं वो इस्तिताअत रखते
نَصْرَهُمْ 74	وَهُمْ	لَهُمْ	جُنْدٌ	مُّحْضَرُونَ 75	فَلَا
उनकी मदद की	बल्कि वो खुद	उनके लिए	लश्कर हैं	हाज़िर किए गए	पस ना शमगीन करे आपको

قَوْلُهُمْ	إِنَّا	نَعْلَمُ	مَا	يُسِرُّونَ	وَمَا	يُعلنُونَ ⁷⁶	أَوْ لَمْ
बात उनकी	बेशक हम	हम जानते हैं	जो कुछ	वो छुपाते हैं	और जो कुछ	वो ज़ाहिर करते हैं	क्या भला नहीं

يَرِ	الْإِنْسَانُ	أَنَّا	خَلَقْنَاهُ	مِنْ نُطْفَةٍ	فَإِذَا	هُوَ	خَصِيمٌ
देखा	इंसान ने	बेशक हम	पैदा किया हमने उसे	नुत्के से	तो यकायक	वो	झगड़ालू है

مُبِينٌ ⁷⁷	وَضَرَبَ	لَنَا	مَثَلًا	وَنَسِيَ	خَلْقَهُ ^ط	قَالَ	مَنْ
खुल्लम-खुल्ला	और उसने बयान की	हमारे लिए	मिसाल	और वो भूल गया	अपनी पैदाइश को	उसने कहा	कौन

يُحْيِي	الْعِظَامَ	وَهِيَ	رَمِيمٌ ⁷⁸	قُلْ	يُحْيِيهَا	الَّذِي	أَنشَاهَا
जिंदा करेगा	हड्डियों को	जबकि वो	बोसीदा हो चुकी हों	कह दीजिए	जिंदा करेगा उन्हें	वो जिसने	पैदा किया उन्हें

أَوَّلَ	مَرَّةٍ ^ط	وَهُوَ	بِكُلِّ	خَلْقٍ	عَلِيمٌ ⁷⁹	الَّذِي	جَعَلَ	لَكُمْ
पहली	बार	और वो	हर	पैदाइश को	खूब जानने वाला है	वो जिसने	बनाया	तुम्हारे लिए

مِّنَ الشَّجَرِ الْأَخْضَرِ	نَارًا	فَإِذَا	أَنْتُمْ	مِّنْهُ	تَوَقِدُونَ ⁸⁰	أَوْ
सरसब्ज़ दरख़्त से	आग को	तो यकायक	तुम	उससे	तुम आग जलाते हो	क्या भला

لَيْسَ	الَّذِي	خَلَقَ	السَّمَوَاتِ	وَالْأَرْضِ	بِقَدْرِ	عَلَى	أَنْ	يَخْلُقَ
नहीं है	वो जिसने	पैदा किया	आसमानों	और ज़मीन को	क्वदिर	इस (बात) पर	कि	वो पैदा करे

مِثْلَهُمْ ^ق	بَلَىٰ ^ق	وَهُوَ	الْخَلْقِ	الْعَلِيمُ ⁸¹	إِنَّمَا	أَمْرُهُ	إِذَا
उनकी मारिंद	क्यों नहीं	और वो	सब कुछ पैदा करने वाला है	खूब जानने वाला है	बेशक	काम उसका	जब

أَرَادَ	شَيْئًا	أَنْ	يَقُولَ	لَهُ	كُنْ	فَيَكُونُ ⁸²	فَسُبْحَنَ
वो इरादा करता है	किसी चीज़ का	ये कि	वो कहता है	उसे	हो जा	तो वो हो जाती है	पस पाक है

الَّذِي	بِيَدِهِ	مَلَكُوتُ	كُلِّ	شَيْءٍ	وَإِلَيْهِ	تَرْجِعُونَ ⁸³
वो जो	हाथ में जिसके	बादशाहत है	हर	चीज़ की	और तरफ़ उसी के	तुम लौटाए जाओगे

رُكُوعَاتُهَا: 5

37 سُورَةُ الصَّفَّتِ مَكِّيَّةٌ 56

آيَاتُهَا: 182

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

وَالصَّفَّتِ	صَفًّا ①	فَالزُّجَرِ	زَجْرًا ②	فَالثَّلِيثِ	ذِكْرًا ③
क्रसम है सफ बांधने वालों की	खूब सफ बांधना	फिर डांटने वालों की	सख्त डांटना	फिर तिलावत करने वालों की	ज़िक्र (कुरआन) की
إِنَّ إِلَهَكُمْ لَوَاحِدٌ ④	رَبُّ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا	وَرَبُّ الْمَشَارِقِ ⑤	إِنَّا زَيْنًا	السَّهَاءِ	الدُّنْيَا
इलाह तुम्हारा	यक्रीनन एक ही है	रब	आसमानों	और ज़मीन का	और जो
وَرَبُّ الْمَشَارِقِ ⑤	إِنَّا زَيْنًا	السَّهَاءِ	الدُّنْيَا	بِزِينَةٍ	وَالْكَوَكِبِ ⑥
मशरिक्कों का	बेशक हम	मुज़य्यन किया हमने	आसमाने	दुनिया को	ज़ीनत से
وَالْكَوَكِبِ ⑥	وَحِفْظًا	مِّنْ كُلِّ شَيْطَانٍ	مَّارِدٍ ⑦	لَا يَسْعَوْنَ	إِلَى الْمَلَا أَعْلَى
सितारों की	और हिफ़ाज़त के लिए	हर शैतान से	जो सरकश है	नहीं वो कान लगाकर सुन सकते	तरफ़ मलाए आला / मुकर्रब फ़रिशतों के
إِلَى الْمَلَا أَعْلَى	وَيُقَذَّفُونَ	مِنْ كُلِّ جَانِبٍ ⑧	دُحُورًا	وَلَهُمْ	عَذَابٌ
तरफ़ मलाए आला / मुकर्रब फ़रिशतों के	और वो फेंके जाते हैं	हर तरफ़ से	भगाने के लिए	और उनके लिए	अज़ाब है
عَذَابٌ	وَاصِبٌ ⑨	إِلَّا	مَنْ	خَطِفَ	الْخُطْفَةَ
अज़ाब है	मुसलसल	मगर	जो कोई	उचक ले जाए	उचक ले जाना
شِهَابٌ	ثَاقِبٌ ⑩	فَاسْتَفْتِهِمْ	أَهُمْ	أَشَدُّ	خَلْقًا
एक शोला	चमकता हुआ	पस पूछ लीजिए उनसे	क्या वो	ज़्यादा सख्त हैं	पैदाइश में
وَيَسْخَرُونَ ⑫	وَإِذَا	ذُكِّرُوا	لَا يَذْكُرُونَ ⑬	وَإِذَا	رَأَوْا
और वो मजाक़ उड़ाते हैं	और जब	वो नसीहत किए जाते हैं	नहीं वो नसीहत पकड़ते	और जब	वो देखते हैं

أَيَّةٌ	يَسْتَسْخِرُونَ ¹⁴	وَقَالُوا	إِنْ هَذَا	إِلَّا سِحْرٌ	مُبِينٌ ¹⁵
कोई निशानी	तो खूब मज़ाक़ उड़ाते हैं	और कहते हैं	नहीं है	ये	मगर एक जादू
عِذَا	مِثْنَا	وَكُنَّا	تُرَابًا	وَعِظَامًا	ءِ إِنَّا
क्या जब	मर जाएंगे हम	और हो जाएंगे हम	मिट्टी	और हड्डियां	क्या बेशक हम
أَوْ	أَبَاؤُنَا	الْأَوَّلُونَ ¹⁷	قُلْ	نَعَمْ	وَأَنْتُمْ
क्या भला	आबा ओ अजदाद भी हमारे	जो पहले (गुज़र चुके)	कह दीजिए	हां	और तुम
فَإِنَّا	هِيَ	زَجْرَةٌ	وَأَحَدَةٌ	فَإِذَا	هُمْ
तो बेशक	वो	डांट होगी	एक ही	तो यकायक	वो
يَوْمَئِذٍ	هَذَا	يَوْمُ	الدِّينِ ²⁰	هَذَا	يَوْمُ
हाय अफ़सोस हम पर	ये है	दिन	बदले का	ये है	दिन
كُنْتُمْ	بِهِ	تُكَذِّبُونَ ²¹	أُحْشِرُوا	الَّذِينَ	ظَلَمُوا
थे तुम	इसे	तुम झुठलाया करते	इकट्ठा करो	उनको जिन्होंने	ज़ुल्म किया
وَمَا	كَانُوا	يَعْبُدُونَ ²²	مِنْ دُونِ	اللَّهِ	فَاهْدُوهُمْ
और उन्हें जिनकी	थे वो	वो इबादत करते	सिवाय	अल्लाह के	पस राह दिखाओ उन्हें
الْجَحِيمِ ²³	وَقِفُوهُمْ	إِنَّهُمْ	مَسْئُولُونَ ²⁴	مَا	لَكُمْ
जहन्नम के	ठहराओ उन्हें	बेशक वो	सवाल किए जाने वाले हैं	क्या है	तुम्हें
تَنَاصَرُونَ ²⁵	بَلْ هُمْ	الْيَوْمَ	مُسْتَسْلِمُونَ ²⁶	وَأَقْبَلَ	بَعْضُهُمْ
तुम एक दूसरे की मदद करते	बल्कि	वो	आज के दिन	और मुतावज्जह होंगे	बाज़ उनके
عَلَى بَعْضٍ	يَتَسَاءَلُونَ ²⁷	قَالُوا	إِنَّكُمْ	كُنْتُمْ	تَأْتُونَنَا
बाज़ पर	वो एक दूसरे से सवाल करेंगे	वो कहेंगे	बेशक तुम	थे तुम	आते तुम हमारे पास

عَنِ الْيَبِينِ 28	قَالُوا	بَلْ	لَمْ	تَكُونُوا	مُؤْمِنِينَ 29	وَمَا	كَانَ
दाएँ जानिब से	कहेंगे	बल्कि	ना	थे तुम	ईमान लाने वाले	और ना	था
لَنَا	عَلَيْكُمْ	مِنْ سُلْطٰنٍ ٣٠	بَلْ	كُنْتُمْ	قَوْمًا	طٰغِينَ 30	فَحَقَّ
हमारे लिए	तुम पर	कोई ज़ोर	बल्कि	थे तुम	एक क्रौम	सरकश	तो सच हो गई
عَلَيْنَا	قَوْلُ	رَبِّنَا ٣١	إِنَّا	لَذٰٓئِقُونَ 31	فَاغْوَيْنَكُمْ	إِنَّا	كُنَّا
हम पर	बात	हमारे रब की	बेशक हम	अलबत्ता चखने वाले हैं	तो बहकाया हमने तुम्हें	बेशक हम	थे हम ही
غَوَيْنَ 32	فَانَّهُمْ	يَوْمَئِذٍ	فِي الْعَذَابِ	مُشْتَرِكُونَ 33	إِنَّا	كَذٰلِكَ	
बहके हुए	तो बेशक वो	उस दिन	अज़ाब में	बाहम शरीक होंगे	बेशक हम	इसी तरह	
نَفَعَلُ	بِالْجُرْمِينَ 34	إِنَّهُمْ	كَانُوا	إِذَا قِيلَ لَهُمْ لَا	إِلٰهَ		
हम करेंगे	साथ मुजरिमों के	बेशक वो	थे वो	जब	कहा जाता	उनसे	नहीं
إِلَّا	اللَّهُ ٣٥	يَسْتَكْبِرُونَ 35	وَيَقُولُونَ	إِنَّا	لَتَارْكُوٓا	الِهَتِنَا	
सिवाए	अल्लाह के	वो तकबुर करते थे	और वो कहते	क्या बेशक हम	अलबत्ता छोड़ देने वाले हैं	अपने माबूदों को	
لِشَاعِرٍ	مَّجْنُونٍ 36	بَلْ	جَاءَ	بِالْحَقِّ	وَصَدَقَ	الرُّسُلِينَ 37	
वास्ते एक शायर	मजनून के	बल्कि	वो लाया है	हक़ को	और उसने तसदीक की	रसूलों की	
إِنَّكُمْ	لَذٰٓئِقُوا	الْعَذَابِ	الْأَلِيمِ 38	وَمَا	تُجْزَوْنَ	إِلَّا	مَا
बेशक तुम	अलबत्ता चखने वाले हो	अज़ाब	दर्दनाक को	और नहीं	तुम बदला दिए जाओगे	मगर	जो
كُنْتُمْ	تَعْمَلُونَ 39	إِلَّا	عِبَادَ	اللَّهِ	الْمُخْلِصِينَ 40	أُولَٰئِكَ	
थे तुम	तुम अमल करते	सिवाए	बंदे	अल्लाह के	जो ख़ालिस किए हुए हैं	यही लोग हैं	
لَهُمْ	رِزْقٌ	مَّعْلُومٌ 41	فَوَاكِهُ ٤٢	وَهُمْ	مُّكْرَمُونَ 42	فِي جَنَّتٍ	
उनके लिए	रिज़क है	मालूम	फल हैं	और वो	मुअज़्ज़ज़ होंगे	बाग़ात में	

النَّعِيمُ 43 لَا	عَلَى سُرٍّ	مُتَقَبِّلِينَ 44	يُطَافُ	عَلَيْهِمْ	بِكَاسٍ
नेअमतों के	तख्तों पर	आमने सामने बैठने वाले	फिराया जायगा	उन पर	भरा हुआ सागर
مِّنْ مَّعِينٍ 45 لَا	بَيَّضَاءَ	لَذَّةٍ	لِلشَّرِبِينَ 46	لَا	فِيهَا غَوْلٌ وَلَا
बहते चश्मे से	सफ़ेद	लज़्ज़त का सबब	पीने वालों के लिए	ना	उसमें
هُمُ	عَنْهَا	يُنْزَفُونَ 47	وَعِنْدَهُمْ	قُصِرَتْ	الطَّرْفُ
वो	उससे	वो अक़ल ज़ाइल किए जाएंगे	और उनके पास होंगी	नीची रखने वालियां	निगाहों को
عَيْنٍ 48 لَا	كَأَنَّهُنَّ	بَيَاضٌ	مَّكْنُونٌ 49	فَاقْبَلْ	بَعْضُهُمْ
मोटी आंखों वालियां	गोया कि वो	अंडे हैं	छुपा कर रखे गए	तो मुतावज्जह होंगे	बाज़ उनके
عَلَى بَعْضٍ	يَتَسَاءَلُونَ 50	قَالَ	قَائِلٌ	مِّنْهُمْ	إِنِّي كَانَ
बाज़ पर	वो एक दूसरे से सवाल करेंगे	कहेगा	एक कहने वाला	उनमें से	बेशक मैं
لِي قَرِينٌ 51 لَا	يَقُولُ	أَيْنَكَ	لِمَنِ الْمَصْدِقِينَ 52	عَإِذَا	مِثْنًا
मेरा	एक साथी	वो कहा करता था	क्या बेशक तुम	अलबत्ता तसदीक करने वालों में से हो	क्या जब
وَكُنَّا	تُرَابًا	وَعِظَامًا	ءِإِنَّا	لَبَدِئُونَ 53	قَالَ هَلْ
और हो जाएंगे हम	मिट्टी	और हड्डियां	क्या बेशक हम	अलबत्ता बदला दिए जाने वाले हैं	उसने कहा
أَنْتُمْ	مُّطْلِعُونَ 54	فَاطْلَعْ	فَرَاهُ	فِي سَوَاءٍ	الْجَحِيمِ 55
तुम	झांक कर देखने वाले हो	तो वो झांकेगा	तो वो देखेगा उसे	वस्त/दर्मियान में	जहन्नम के
تَاللَّهِ	إِنْ	كِدَتْ	لَتُرْدِينَ 56	وَلَوْ لَا	نِعْمَةٌ
क़सम अल्लाह की	बेशक	क़रीब था तू	अलबत्ता तू हलाक कर देता मुझे	और अगर ना होती	नेअमत
مِنَ الْمُحْضَرِينَ 57	أَفْبَا	نَحْنُ	بِئْتَيْنِ 58	إِلَّا	مَوْتَتْنَا
हाज़िर किए जाने वालों में से	क्या भला नहीं	हम	मरने वाले	मगर	मौत हमारी
الأُولَى					पहली

وَمَا	نَحْنُ	بِعُذِّبَيْنَ ⑤9	إِنَّ	هَذَا	لَهُوَ	الْفَوْزُ	الْعَظِيمُ ⑥0
और नहीं	हम	अज़ाब दिए जाने वाले	बेशक	ये	अलबत्ता वो ही	कामयाबी है	बहुत बड़ी
لِيُثَلَّ	هَذَا	فَلْيَعْمَلِ	الْعَمَلُونَ ⑥1	أَذَلِكَ	خَيْرٌ	نُزُلًا	أَمْ
मानिंद	उसी के	पस चाहिए कि अमल करें	अमल करने वाले	क्या ये	बेहतर	मेहमानी है	या
شَجَرَةٌ	الزَّقُومِ ⑥2	إِنَّا	جَعَلْنَاهَا	فِتْنَةً	لِلظَّالِمِينَ ⑥3	إِنَّهَا	
दरख़्त	थूहर का	बेशक हम	बनाया हमने उसे	फ़ितना	ज़ालिमों के लिए	बेशक वो	
شَجَرَةٌ	تَخْرُجُ	فِي أَصْلِ	الْجَحِيمِ ⑥4	طَلْعَهَا	كَأَنَّهُ	رُءُوسُ	
एक दरख़्त है	जो निकलता/उगता है	तह/जड़ में	जहन्नम की	खोशे उसके	गोया कि वो	सर है	
الشَّيَاطِينَ ⑥5	فَإِنَّهُمْ	لَا يَكُونُونَ	مِنْهَا	فَبَالِغُونَ	مِنْهَا		
शैतानों के	पस बेशक वो	अलबत्ता खाने वाले हैं	उससे	फिर भरने वाले हैं	उससे		
الْبُطُونِ ⑥6	ثُمَّ	إِنَّ	لَهُمْ	عَلَيْهَا	لَشَوْبًا	مِّنْ حَيِّمٍ ⑥7	ثُمَّ
पेटों को	फिर	बेशक	उनके लिए	उस पर	अलबत्ता आमेज़िश है	खीलते पानी की	फिर
إِنَّ	مَرْجِعَهُمْ	لَا إِلَى	الْجَحِيمِ ⑥8	إِنَّهُمْ	أَلْفُوا	أَبَاءَهُمْ	
बेशक	वापसी उनकी	अलबत्ता तरफ़	जहन्नम के है	बेशक वो	उन्होंने पाया	अपने आबा ओ अजदाद को	
ضَالِّينَ ⑥9	فَهُمْ	عَلَىٰ أَثَرِهِمْ	يُهْرَعُونَ ⑦0	وَلَقَدْ	ضَلَّ	قَبْلَهُمْ	
गुमराह	तो वो	उनके नक्शे कदम पर	वो दौड़े जाते हैं	और अलबत्ता तहक़ीक़	भटक गए	उनसे कब्ल	
أَكْثَرُ	الْأَوَّلِينَ ⑦1	وَلَقَدْ	أَرْسَلْنَا	فِيهِمْ	مُنْذِرِينَ ⑦2	فَانْظُرْ	
बहुत से	पहले लोग	और अलबत्ता तहक़ीक़	भेजे हमने	उनमें	डराने वाले	तो देखो	
كَيْفَ	كَانَ	عَاقِبَةُ	الْمُنْذِرِينَ ⑦3	إِلَّا	عِبَادَ	اللَّهِ	الْمُخْلِصِينَ ⑦4
कैसा	हुआ	अंजाम	डराए जाने वालों का	मगर	बंदे	अल्लाह के	जो ख़ालिस किए हुए हैं

وَلَقَدْ	نَادَيْنَا	نُوحٌ	فَلَنِعْمَ	الْمُجِيبُونَ ﴿75﴾	وَنَجَّيْنَاهُ	
और अलबत्ता तहकीक	पुकारा हमें	नूह ने	पस अलबत्ता कितने अच्छे हैं	जवाब देने वाले	और निजात दी हमने उसे	
وَأَهْلَهُ	مِنَ الْكَرْبِ	الْعَظِيمِ ﴿76﴾	وَجَعَلْنَا	ذُرِّيَّتَهُ	هُمْ	
और उसके घर वालों को	मुसीबत से	बहुत बड़ी	और रखा हमने	उसकी औलाद को	वो ही	
الْبَاقِينَ ﴿77﴾	وَتَرَكْنَا	عَلَيْهِ	فِي الْآخِرِينَ ﴿78﴾	سَلَامٌ	عَلَى نُوحٍ	
बाक़ी रहने वाले	और बाक़ी रखा हमने	उस पर (ज़िक्र ख़ैर)	बाद वालों में	सलाम है	नूह पर	
فِي الْعَالَمِينَ ﴿79﴾	إِنَّا	كَذَلِكَ	نَجْزِي	الْمُحْسِنِينَ ﴿80﴾	إِنَّهُ	
तमाम जहान वालों में	बेशक हम	इसी तरह	हम बदला देते हैं	एहसान करने वालों को	बेशक वो	
مِنْ عِبَادِنَا	الْمُؤْمِنِينَ ﴿81﴾	ثُمَّ	أَغْرَقْنَا	الْآخِرِينَ ﴿82﴾	وَإِنَّ	
हमारे बंदों में से था	जो मोमिन हैं	फिर	ग़र्क़ किया हमने	दूसरों को	और बेशक	
مِنْ شَيْعَتِهِ	لِإِبْرَاهِيمَ ﴿83﴾	إِذْ	جَاءَ	رَبَّهُ	بِقَلْبٍ سَلِيمٍ ﴿84﴾	
उसके गिरोह में से	अलबत्ता इब्राहीम था	जब	वो आया	अपने रब के पास	साथ दिल सलामत के	
إِذْ قَالَ	لِأَبِيهِ	وَقَوْمِهِ	مَاذَا	تَعْبُدُونَ ﴿85﴾	أَيْفَاكَ	إِلَهَةً
जब	उसने कहा	अपने बाप से	और अपनी क़ौम से	किस की	तुम इबादत करते हो	क्या गढ़े हुए
دُونَ	اللّٰهِ	تُرِيدُونَ ﴿86﴾	فَمَا	ظَنُّكُمْ	بِرَبِّ الْعَالَمِينَ ﴿87﴾	فَنَظَرَ
सिवाए	अल्लाह के	तुम चाहते हो	तो क्या है	गुमान तुम्हारा	रबबल आलमीन के बारे में	तो उसने देखा
نَظْرَةً	فِي النُّجُومِ ﴿88﴾	فَقَالَ	إِنِّي	سَقِيمٌ ﴿89﴾	فَتَوَلَّوْا	عَنْهُ
एक नज़र	सितारों में	तो उसने कहा	बेशक मैं	बीमार हूँ	तो वो लौट गए	उससे
مُدْبِرِينَ ﴿90﴾	فَرَاغَ	إِلَى إِلَهَتِهِمْ	فَقَالَ	أَلَا	تَأْكُلُونَ ﴿91﴾	مَا
पीठ फेर कर	तो वो चुपके से गया	तरफ़ उनके इलाहों के	फिर उसने कहा	क्या नहीं	तुम खाते	क्या है

لَكُمْ لَا تَنْطِقُونَ 92	فَرَاغٌ عَلَيْهِمْ	ضَرْبًا	بِالْيَمِينِ 93	فَاقْبَلُوا
तुम्हें	फिर वो जा पड़ा	उन पर	ज़रब लगाते हुए	दाएँ हाथ से
तुम्हें	नहीं तुम बोलते	उत पर	ज़रब लगाते हुए	दाएँ हाथ से
إِلَيْهِ يَزِفُونَ 94	قَالَ	أَتَعْبُدُونَ	مَا	تَنْحِتُونَ 95
तरफ़ उसके	कहा	क्या तुम इबादत करते हो	उनकी जिन्हें	तुम तराशते हो
तरफ़ उसके	तेज दौड़ते हुए	कहा	क्या तुम इबादत करते हो	उनकी जिन्हें
خَلَقَكُمْ وَمَا تَعْمَلُونَ 96	قَالُوا	ابْنُوا	لَهُ	بُنْيَانًا
पैदा किया तुम्हें	और उसे जो	तुम करते हो	उन्होंने कहा	बनाओ
पैदा किया तुम्हें	और उसे जो	तुम करते हो	उन्होंने कहा	बनाओ
فِي الْجَحِيمِ 97	فَارَادُوا	بِهِ	كَيْدًا	فَجَعَلْنَاهُمْ
दहकती आग में	तो उन्होंने इरादा किया	साथ उसके	चाल चलने का	तो कर दिया हमने उन्हें
فِي الْجَحِيمِ 97	فَارَادُوا	بِهِ	كَيْدًا	فَجَعَلْنَاهُمْ
दहकती आग में	तो उन्होंने इरादा किया	साथ उसके	चाल चलने का	तो कर दिया हमने उन्हें
وَقَالَ إِنِّي ذَاهِبٌ إِلَىٰ رَبِّي 99	رَبِّ	هَبْ	رَبِّ	هَبْ
और उसने कहा	बेशक मैं	जाने वाला हूं	तरफ़ अपने रब के	अनकरीब वो रहनुमाई करेगा मेरी
और उसने कहा	बेशक मैं	जाने वाला हूं	तरफ़ अपने रब के	अनकरीब वो रहनुमाई करेगा मेरी
لِي مِنَ الصَّالِحِينَ 100	فَبَشَّرْنَاهُ	بِغُلَامٍ	حَلِيمٍ 101	فَلَمَّا بَلَغَ
मुझे	तो खुशख़बरी दी हमने उसे	एक लड़के की	जो बुर्दवार था	फिर जब
मुझे	तो खुशख़बरी दी हमने उसे	एक लड़के की	जो बुर्दवार था	फिर जब
مَعَهُ السَّعْيِ قَالَ يَبْنِي 102	إِنِّي	أَرَىٰ	فِي الْمَنَامِ	إِنِّي
साथ उसके	कहा	ऐ मेरे बेटे	कि बेशक मैं	मैंने देखा है
साथ उसके	कहा	ऐ मेरे बेटे	कि बेशक मैं	मैंने देखा है
أَذْبَحُكَ فَأَنْظُرْ مَاذَا تَرَىٰ 103	قَالَ	يَا بَتِ	أَفْعَلْ	مَا
ज़िबाह कर रहा हूं तुझे	तो देख	क्या है	तेरी राय	कहा
ज़िबाह कर रहा हूं तुझे	तो देख	क्या है	तेरी राय	कहा
تُؤْمَرُ سَتَجِدُنِي 104	إِنْ شَاءَ	اللَّهُ	مِنَ الصَّابِرِينَ 105	فَلَمَّا
आप हुक्म दिए गए हैं	ज़रूर आप पाएँगे मुझे	अगर	चाहा	अल्लाह ने
आप हुक्म दिए गए हैं	ज़रूर आप पाएँगे मुझे	अगर	चाहा	अल्लाह ने
أَسْلَمًا وَتَلَّهُ	لِلْجَبِينِ 106	وَنَادَيْنَاهُ	أَنْ	يَا بُرْهِيمُ 107
वो दोनों मुतीअ हो गए	और उसने लिटा दिया उसे	पेशानी के बल	और पुकारा हमने उसे	कि
वो दोनों मुतीअ हो गए	और उसने लिटा दिया उसे	पेशानी के बल	और पुकारा हमने उसे	कि

قَدْ	صَدَّقْتَ	الرُّعْيَا	إِنَّا	كَذَلِكَ	نَجْزِي	الْبُحْسَيْنِ	١٠٥	إِنَّ
तहकीक	सच कर दिखाया तूने	ख्वाब को	बेशक हम	इसी तरह	हम बदला देते हैं	मोहसिनी को	बेशक	
هَذَا	لَهُوَ	الْبَلَاءُ	الْمُبِينُ	١٠٦	وَفَدَيْنَهُ	بِذُبْحٍ	عَظِيمٍ	١٠٧
ये	अलबत्ता वो	आज़माइश थी	खुली-खुली	और फ़िदया दिया हमने उसका	साथ एक कुर्बानी	बहुत बड़ी के		
وَتَرَكْنَا	عَلَيْهِ	فِي الْآخِرِينَ	١٠٨	سَلَامٌ	عَلَى إِبْرَاهِيمَ	١٠٩	كَذَلِكَ	
और बाकी रखा हमने	उस पर (ज़िक्र ख़ैर)	बाद वालों में	सलाम है	इब्राहीम पर	इसी तरह			
نَجْزِي	الْبُحْسَيْنِ	١١٠	إِنَّهُ	مِنْ عِبَادِنَا	الْمُؤْمِنِينَ	١١١		
हम बदला देते हैं	एहसान करने वालों को	बेशक वो	हमारे बंदों में से था	जो मोमिन हैं				
وَبَشَّرْنَاهُ	بِإِسْحَاقَ	نَبِيًّا	مِّنَ الصَّالِحِينَ	١١٢	وَبَرَكْنَا	عَلَيْهِ		
और खुशख़बरी दी हमने उसे	इसहाक की	एक नबी	सालेहीन में से	और बरकत नाज़िल की हमने	उस पर			
وَعَلَى إِسْحَاقَ	وَمِنْ ذُرِّيَّتِهَا	مُحْسِنٌ	وَظَالِمٌ	لِّنَفْسِهِ	مُبِينٌ	١١٣		
और इसहाक पर	और उन दोनों की औलाद में से	कोई मोहसिन है	और कोई ज़लिम है	अपने नफ़स के लिए	खुल्लम-खुल्ला			
وَلَقَدْ	مَنَّا	عَلَى مُوسَى	وَهَارُونَ	١١٤	وَنَجَّيْنَاهَا	وَقَوْمَهَا		
और अलबत्ता तहकीक	एहसान किया हमने	ऊपर मूसा	और हारून के	और निजात दी हमने उन दोनों को	और उन दोनों की क़ौम को			
مِنَ الْكَرْبِ	الْعَظِيمِ	١١٥	وَنَصَرْنَاهُمْ	فَكَانُوا	هُمْ	الْغَلِبِينَ	١١٦	
मुसीबत से	बहुत बड़ी	और मदद की हमने उनकी	फिर हो गए वो	वो ही	ग़ालिब			
وَاتَيْنَاهَا	الْكِتَابَ	الْمُسْتَبِينَ	١١٧	وَهَدَيْنَاهَا	الصِّرَاطَ			
और दी हमने उन दोनों को	किताब	वाज़ेह	और हिदायत दी हमने उन दोनों को	रास्ते				
الْمُسْتَقِيمَ	١١٨	وَتَرَكْنَا	عَلَيْهَا	فِي الْآخِرِينَ	١١٩	سَلَامٌ	عَلَى مُوسَى	
सीधे की	और बाकी रखा हमने	उन दोनों पर (ज़िक्र ख़ैर)	बाद वालों में	सलाम हो	ऊपर मूसा			

وَهَرُونَ ﴿120﴾	إِنَّا	كَذَلِكَ	نَجْزِي	الْبُحْسِنِينَ ﴿121﴾	إِنَّهَا
और हारून के	यकीनन हम	इसी तरह	हम बदला देते हैं	मोहसिनीन को	बेशक वो दोनों
مِنْ عِبَادِنَا	الْمُؤْمِنِينَ ﴿122﴾	وَإِنَّ	إِلْيَاسَ	لَمِنَ الرُّسُلِينَ ﴿123﴾	إِذْ
हमारे बंदों में से थे	जो मोमिन हैं	और बेशक	इलयास	अलबत्ता रसूलों में से था	जब
قَالَ لِقَوْمِهِ	أَلَا	تَتَّقُونَ ﴿124﴾	أَتَدْعُونَ	بَعْلًا	وَتَذُرُونَ
उसने कहा	अपनी क्रौम को	क्या नहीं	तुम डरते	बअल को	और तुम छोड़ देते हो (अल्लाह को)
أَحْسَنَ	الْخَالِقِينَ ﴿125﴾	اللَّهُ	رَبُّكُمْ	وَرَبَّ	أَبَائِكُمْ
बेहतरीन	पैदा करने वाले को	अल्लाह	रब तुम्हारा	और रब	तुम्हारे आबा ओ अजदाद
فَكَذَّبُوهُ	فَإِنَّهُمْ	لَمُحْضَرُونَ ﴿127﴾	إِلَّا	عِبَادَ اللَّهِ	الْمُخْلِصِينَ ﴿128﴾
तो उन्होंने झुठला दिया उसे	तो बेशक वो	ज़रूर हाज़िर किए जाने वाले हैं	मगर	बंदे	अल्लाह के
وَتَرَكْنَا	عَلَيْهِ	فِي الْآخِرِينَ ﴿129﴾	سَلَامٌ	عَلَىٰ إِبْرَاهِيمَ	إِنَّا
और बाक़ी रखा हमने	उस पर (ज़िक्र ख़ैर)	बाद वालों में	सलाम हो	ऊपर इलयास के	बेशक हम
كَذَلِكَ	نَجْزِي	الْبُحْسِنِينَ ﴿131﴾	إِنَّهُ	مِنْ عِبَادِنَا	الْمُؤْمِنِينَ ﴿132﴾
इसी तरह	हम बदला देते हैं	मोहसिनीन को	बेशक वो	हमारे बंदों में से था	जो मोमिन हैं
وَإِنَّ	لُوطًا	لَمِنَ الرُّسُلِينَ ﴿133﴾	إِذْ	نَجَّيْنَاهُ	وَأَهْلَهُ
और बेशक	लूत	अलबत्ता रसूलों में से था	जब	निजात दी हमने उसे	और उसके घर वालों को
أَجْمَعِينَ ﴿134﴾	إِلَّا	عَجُوزًا	فِي الْغَابِرِينَ ﴿135﴾	ثُمَّ	دَمَرْنَا
सब के सब को	सिवाए	एक बुढ़िया के	पीछे रह जाने वालों में	फिर	तबाह कर दिया हमने
الْآخِرِينَ ﴿136﴾	وَإِنَّكُمْ	لَتَشْرُونَ	عَلَيْهِمْ	مُّصْبِحِينَ ﴿137﴾	وَبِالْأَيْلِ ط
दूसरों को	और बेशक तुम	अलबत्ता तुम गुज़रते हो	उन पर	इस हाल में कि सुबह करने वाले हो	और रात को

أَفَلَا تَعْقِلُونَ ١٣٨ ع	وَإِنَّ يُونُسَ لَمِنَ الْمُرْسَلِينَ ط ١٣٩	إِذْ أَبَقَ
क्या भला नहीं	तुम अक़ल रखते	और बेशक
وَالْمُشْحُونَ ١٤٠ ل	فَسَاهَمَ	فَكَانَ
भरी हुई के	तो कुरआ डाला	फिर वो हो गया
فَالْتَقَبَهُ الْحَوْتُ ١٤٢	وَهُوَ مُلِيمٌ ١٤٢	فَلَوْ لَا أَنَّهُ كَانَ
मच्छली ने	और वो	मलामत ज़दा था
مِنَ الْمُسَبِّحِينَ ١٤٣ ل	لَلْبَيْتِ فِي بَطْنِهِ ١٤٣	إِلَى يَوْمٍ يُبْعَثُونَ ١٤٤
तस्बीह करने वालों में से	अलबत्ता वो ठहरा रहता	उसके पेट में
فَنَبَذْنَاهُ بِالْعَرَاءِ ١٤٥ ج	وَأَنْبَتْنَا عَلَيْهِ شَجَرَةً	وَهُوَ سَقِيمٌ ١٤٥ ج
चटियल मैदान में	इस हाल में कि वो	बीमार था
مِّنْ يَقْطِينٍ ١٤٦ ج	وَأَرْسَلْنَاهُ إِلَى مِائَةِ أَلْفٍ أَوْ يَزِيدُونَ ١٤٧ ج	فَأَمَّنُوا
कद्दू की बेल का	और भेजा हमने उसे	बल्कि
فَسَتَّعْنَاهُمْ إِلَى حِينٍ ١٤٨ ط	فَاسْتَفْتِهِمْ	الرَّبِّكَ
एक वक़्त तक	पस पूछो उनसे	क्या आपके रब के लिए हैं
وَلَهُمُ الْبَنُونَ ١٤٩ ل	أَمْ خَلَقْنَا الْمَلَائِكَةَ إِنَاثًا وَهُمْ	وَلَهُمُ
बेटे	या	बनाया हमने
شَاهِدُونَ ١٥٠	إِنَّمَا هُمْ	مِّنْ إِفْكِهِمْ
ख़बरदार	बेशक वो	अपने झूठ ही से
وَأَنَّهُمْ لَكَاذِبُونَ ١٥٢	أَصْطَفَى الْبَنَاتِ	عَلَى الْبَنِينَ ١٥٣ ط
अलबत्ता झूठे हैं	क्या उसने चुन लिया	बेटों पर
وَأَنَّهُمْ	لَكَاذِبُونَ ١٥٢	أَصْطَفَى الْبَنَاتِ
और बेशक वो	अलबत्ता झूठे हैं	क्या उसने चुन लिया

كَيْفَ	تَحْكُمُونَ 154	أَفَلَا	تَذَكَّرُونَ 155	أَمْ	لَكُمْ	سُلْطَنٌ
कैसे	तुम फैसले करते हो	क्या भला नहीं	तुम नसीहत पकड़ते	या	तुम्हारे लिए	कोई दलील है
مُبِينٌ 156	فَاتُوا بِكِتَابِكُمْ	إِنْ	كُنْتُمْ صَادِقِينَ 157	وَجَعَلُوا	بَيْنَهُ	
वाज़ेह	पस ले आओ	अगर	हो तुम	सच्चे	और उन्होंने बनाया	दर्मियान उसके
وَبَيْنَ الْجَنَّةِ نَسَبًا 158	وَلَقَدْ عَلِمْتِ الْجِنَّةُ إِنَّهُمْ لَمُحْضَرُونَ 158	وَلَقَدْ	عَلِمْتِ الْجِنَّةُ	إِنَّهُمْ	لَمُحْضَرُونَ 158	
और दर्मियान	जिन्नों के	एक रिश्ता	और अलबत्ता तहकीक	जान लिया	जिन्नों ने	बेशक वो
سُبْحَنَ اللَّهِ عَمَّا يُصِفُونَ 159	إِلَّا عِبَادَ اللَّهِ الْمُخْلَصِينَ 160	إِلَّا	عِبَادَ اللَّهِ	الْمُخْلَصِينَ 160		
पाक है	अल्लाह	उससे जो	वो बयान करते हैं	सिवाए	बंदे	अल्लाह के
فَإِنَّكُمْ وَمَا تَعْبُدُونَ 161	مَّا أَنْتُمْ عَلَيْهِ	بِفِتْنَيْنِ 162				
पस बेशक तुम सब	और जिनकी	तुम इबादत करते हो	नहीं	तुम	उसके खिलाफ़	फ़ितने में डालने वाले
إِلَّا مَنْ هُوَ صَالٍ الْجَحِيمِ 163	وَمَا مِنَّا إِلَّا لَهُ					
मगर	उसे जो	वो	दाखिल होने वाला है	जहन्नम में	और नहीं	हम में से कोई
مَقَامٌ مَّعْلُومٌ 164	وَإِنَّا لَنَحْنُ الصَّافُونَ 165	وَإِنَّا لَنَحْنُ	الصَّافُونَ 165	وَإِنَّا	لَنَحْنُ	
एक मक़ाम है	मालूम	और बेशक हम	अलबत्ता हम	सफ़ बांधने वाले हैं	और बेशक हम	अलबत्ता हम ही
الْمُسَبِّحُونَ 166	وَإِنْ كَانُوا لَيَقُولُونَ 167	لَوْ أَنَّ	عِنْدَنَا ذِكْرًا			
तस्बीह करने वाले हैं	और बेशक	थे वो	अलबत्ता वो कहते	अगर	ये कि (होती)	हमारे पास
مِّنَ الْأَوَّلِينَ 168	لَكُنَّا عِبَادَ اللَّهِ الْمُخْلَصِينَ 169	فَكْفَرُوا بِهِ				
पहलों में से	अलबत्ता होते हम	बंदे	अल्लाह के	जो ख़ालिस किए हुए हैं	तो उन्होंने कुफ़ किया	साथ उसके
فَسَوْفَ يَعْلَمُونَ 170	وَلَقَدْ سَبَقَتْ	كَلِمَتُنَا	لِعِبَادِنَا	الْمُرْسَلِينَ 171		
तो अनक़रीब	वो जान लेंगे	और अलबत्ता तहकीक	पहले गुज़र चुकी है	बात हमारी	हमारे बंदों के लिए	जो भेजे हुए हैं

إِنَّهُمْ لَهُمُ الْمَنْصُورُونَ 172	وَإِنَّ جُنَدَنَا لَهُمُ الْغَالِبُونَ 173	وَتَوَلَّ عَنْهُمْ حَتَّى حِينٍ 174	وَأَبْصِرْهُمْ فَسَوْفَ يُبْصِرُونَ 175	أَفَبِعَدَابِنَا يُسْتَعْجِلُونَ 176	وَتَوَلَّ عَنْهُمْ حَتَّى حِينٍ 177	وَأَبْصِرْ فَسَوْفَ يُبْصِرُونَ 178	وَأَبْصِرْ فَسَوْفَ يُبْصِرُونَ 179	وَأَبْصِرْ فَسَوْفَ يُبْصِرُونَ 180	وَأَبْصِرْ فَسَوْفَ يُبْصِرُونَ 181	وَأَبْصِرْ فَسَوْفَ يُبْصِرُونَ 182
बेशक वो	अलबत्ता वो ही है	मदद किए जाएंगे	और बेशक	जुनदा लश्कर हमारा	लहम गलिब आने वाला	तब तक	उनसे	और देखते रहिए उन्हें	पस अनकरीब	वो भी देख लेंगे
क्या भला हमारे अज़ाब को	वो जल्दी मांगते हैं	फिर जब	वो उतरेगा	उनके सहन में	तो बहुत बुरी होगी	सुबह	डराए जाने वालों की	और मुंह फेर लीजिए	उनसे	एक वक़्त तक
और मुंह फेर लीजिए	उनसे	एक वक़्त तक	उनसे	और देखते रहिए	तो अनकरीब	डराए जाने वालों की	वो भी देखेंगे	पाक है	रब आपका	रब
और सलाम है	सब रसूलों पर	और सब तारीफ़	अल्लाह के लिए है	जो रब है	तमाम जहानों का	और सलाम है	और सलाम है	और सलाम है	और सलाम है	और सलाम है

88: آیَاتُهَا	38 سُورَةُ ص مَكِّيَّةٌ	38: رُكُوعَاتُهَا
---------------	-------------------------	-------------------

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

ص وَالْقُرْآنِ ذِي الذِّكْرِ 1	بَلِ الَّذِينَ كَفَرُوا فِي عِزَّةٍ
कसम है कुरआन	तकबुर में

وَشِقَاقٍ 2	كَمْ أَهْلَكْنَا مِنْ قَبْلِهِمْ مِنْ قَرْنٍ فَنَادُوا	وَلَاتِ
और मुखालिफ़त में हैं	कितनी ही	हलाक कीं हमने

حِينَ مَنَاصٍ 3	وَعَجَبُوا أَنْ جَاءَهُمْ مُنْذِرٌ مِنْهُمْ
उस वक़्त	कोई पनाह गाह

وَقَالَ	الْكُفْرُونَ	هَذَا	سِحْرٌ	كَذَّابٌ ④	أَجَعَلَ	الْإِلَهَةَ	إِلَهًا
और कहा	काफ़िरो ने	ये है	जादूगर	सख़्त झूठा	क्या उसने बना लिया	बहुत से इलाहों को	इलाह
وَاحِدًا ⑤	إِنَّ	هَذَا	لَشَيْءٌ	عُجَابٌ ⑤	وَأَنْطَلَقَ	الْبَلَاءُ	مِنْهُمْ
एक ही	बेशक	ये	अलबत्ता एक चीज़ है	बहुत अजीब	और चल दिए	सरदार	उनमें से
أَنْ	أَمْشُوا	وَاصْبِرُوا	عَلَى الْهَيْكَلِ ⑥	إِنَّ	هَذَا	لَشَيْءٌ	
कि	चलो	और जमे रहो	अपने इलाहों पर	बेशक	ये	अलबत्ता एक चीज़ है	
يُرَادُ ⑥	مَا	سَبَعْنَا	بِهَذَا	فِي الْمِلَّةِ	الْآخِرَةِ ⑥	إِنْ	هَذَا
जो इरादा की जा रही है	नहीं	सुनी हमने	ये (बात)	मिल्लत में	पिछली	नहीं	ये
إِلَّا	اِخْتِلَاقٌ ⑦	ءَأُنْزِلَ	عَلَيْهِ	الذِّكْرُ	مِنْ بَيْنِنَا ⑦	بَلْ	هُمْ
मगर	मन गढ़त	क्या नाज़िल की गई	उस पर	नसीहत	हमारे दर्मियान से	बल्कि	वो
فِي شَكٍّ	مِنْ ذِكْرِي ⑧	بَلْ	لَبَّأً	يَذُوقُوا	عَذَابٌ ⑧	أَمْ	
शक में हैं	मेरी नसीहत से	बल्कि	अभी तक नहीं	उन्होंने चखा	अज़ाब मेरा	क्या	
عِنْدَهُمْ	خَزَائِنُ	رَحْمَةٍ	رَبِّكَ	الْعَزِيزُ	الْوَهَّابُ ⑨	أَمْ	
उनके पास	खज़ाने हैं	रहमत के	आपके रब की	जो बड़ा ज़बरदस्त है	बहुत अता करने वाला है	या	
لَهُمْ	مُلْكُ	السَّمَوَاتِ	وَالْأَرْضِ	وَمَا	بَيْنَهُمَا ⑩	فَلْيَرْتَقُوا	
उनके लिए	बादशाहत है	आसमानों	और ज़मीन की	और जो	दर्मियान है उन दोनों के	पस चाहिए कि वो चढ़ जाएँ	
فِي الْأَسْبَابِ ⑩	جُنْدٌ مَّا	هُنَالِكَ	مَهْزُومٌ	مِّنَ الْأَحْزَابِ ⑪			
रास्तों में (आसमान के)	एक लश्कर हकीर सा	उसी जगह	शिकस्त खाने वाला है	गिरोहों में से			
كَذَّبَتْ	قَبْلَهُمْ	قَوْمٌ	نُوحٌ	وَعَادٌ	وَفِرْعَوْنٌ	ذُو الْأَوْتَادِ ⑫	
झुठलाया	उनसे पहले	कौमे	नूह ने	और आद	और फ़िरऔन	मेखों वाले ने	

وَتَمُودُ	وَقَوْمُ	لُوطٍ	وَاصْحَابُ لَعْنِكَ ^ط	أُولَئِكَ	الْأَحْزَابُ ¹³	إِنْ
और समूद ने	और क्रौमे	लूत	और ऐक: वालों ने	यही हैं वो	गिरोह	नहीं
كُلُّ	إِلَّا	كَذَّبَ	الرُّسُلَ	فَحَقَّ	عِقَابُ ¹⁴	وَمَا
सब ने	मगर	झुठलाया	रसूलों को	तो साबित हो गई	सज़ा मेरी	और नहीं
يَنْظُرُ	هَؤُلَاءِ	رَبَّنَا	إِلَّا صَيْحَةً وَاحِدَةً	مَا	لَهَا	مِنْ فَوَاقٍ ¹⁵
ये लोग	इन्तिज़ार करते	ऐ हमारे रब	मगर	एक ही	जिसके लिए	कोई वक्रफ़ा
عَجَلُ	لَنَا	وَقَطْنَا	قَبْلَ	يَوْمِ الْحِسَابِ ¹⁶	إِصْبِرْ	عَلَى مَا
जल्दी दे	हमें	हिस्सा हमारा	पहले	यौमे हिसाब के	सब्र कीजिए	उस पर जो
يَقُولُونَ	وَإِذْ كُرَّ	عَبْدَنَا	دَاوُدَ	ذَا الْاَيْدِ ^ج	إِنَّهٗ	أَوَّابٌ ¹⁷
वो कहते हैं	और ज़िक्र कीजिए	हमारे बन्दे	दाऊद का	जो कुव्वत वाला था	बेशक वो	बहुत रुजूअ करने वाला था
إِنَّا	سَخَّرْنَا	الْجِبَالَ	مَعَهُ	يُسَبِّحُنَ	بِالْعَشِيِّ	وَالْإِشْرَاقِ ¹⁸
बेशक हम	मुसख़्ख़र किया हमने	पहाड़ों को	साथ उसके	वो तस्वीह करते थे	शाम को	और सुबह को
وَالطَّيْرِ	مَحْشُورَةً ^ط	كُلُّ	لَهُ	أَوَّابٌ ¹⁹	وَشَدَدْنَا	مُلْكَهُ
और परिन्दे	इकट्ठे किए हुए	सब के सब	उसके लिए	रुजूअ करने वाले थे	और मज़बूत कर दी हमने	सलतनत उसकी
وَآتَيْنَاهُ	الْحِكْمَةَ	وَفَضَّلَ	الْخِطَابِ ²⁰	وَهَلْ	أَتَيْكَ	نَبَوُّا
और दी हमने उसे	हिकमत	और फ़ैसलाकुन	बात (की सलाहियत)	और क्या	आई आपके पास	ख़बर
الْخَصِمِ ^م	إِذْ	تَسَوَّرُوا	الْبَحْرَابِ ²¹	إِذْ	دَخَلُوا	عَلَى دَاوُدَ
झगड़ने वालों की	जब	वो दीवार फांद कर आए थे	इबादत ख़ाने में	जब	वो दाख़िल हुए	दाऊद पर
فَفَزَعَ	مِنْهُمْ	قَالُوا	لَا تَخَفْ ^ج	خَصْنِ	بَغْيِ	بَعْضُنَا
तो वो घबरा गया	उनसे	उन्होंने कहा	ना तुम डरो	(हम) दो झगड़ने वाले हैं	ज़्यादती की	हमारे बाज़ ने

عَلَى بَعْضٍ	فَاحْكُمْ	بَيْنَنَا	بِالْحَقِّ	وَلَا	تُشْطِطْ	وَاهْدِنَا
बाज़ पर	पस फैसला कर दे	दर्मियान हमारे	साथ हक के	और ना	तू बेइसाफ़ी कर	और रहनुमाई कर हमारी
إِلَى سَوَاءٍ	الصِّرَاطِ ②②	إِنَّ	هَذَا	أَخِي ٢	لَهُ	تَسْعُ وَتِسْعُونَ
तरफ़ सीधे	रास्ते के	बेशक	ये	मेरा भाई है	इसकी हैं	निम्नानवे
نُعْجَةً	وَلِي	نُعْجَةً	وَاحِدَةً ٢	فَقَالَ	أَكْفَلْنِيهَا	وَعَزَّنِي
दुम्बियां	और मेरे लिए	दुम्बी है	एक ही	तो इसने कहा	सौंप दे मुझे इसे	और इसने ग़लबा पा लिया मुझ पर
فِي الْخِطَابِ ②③	قَالَ	لَقَدْ	ظَلَمَكَ	بِسُؤَالٍ	نُعْجَتِكَ	إِلَى نِعَاجِهِ ٣
गुफ़्तगू में	उसने कहा	अलबत्ता तहकीक़	इसने ज़ुल्म किया तुझ पर	सवाल करके	तेरी दुम्बी का	तरफ़ अपनी दुम्बियों के
وَإِنَّ	كَثِيرًا	مِّنَ الْخُلَطَاءِ	لَيَبْغِي	بَعْضُهُمْ	عَلَى بَعْضٍ	إِلَّا
और बेशक	बहुत से	शिराकत दारों में से	अलबत्ता ज़्यादाती करते हैं	बाज़ उनके	बाज़ पर	मगर
الَّذِينَ	أَمَنُوا	وَعَمِلُوا	الصَّالِحَاتِ	وَقَلِيلٌ مَّا	هُمْ ٣	وَظَنَّ دَاوُدُ
वो जो	ईमान लाए	और उन्होंने अमल किए	नेक	और कितने थोड़े हैं	वो	और समझ गया दाऊद
أَنبَا	فَتَنَّهُ	فَاسْتَغْفَرَ	رَبَّهُ	وَخَرَّ	رَاكِعًا	وَأَنَابَ ②④
बेशक	आज़माया है हमने उसे	पस उसने बख़्शिश मांगी	अपने रब से	और वो गिर पड़ा	रुकूअ करते हुए	और उसने रूजुअ कर लिया
فَغَفَرْنَا	لَهُ	ذَلِكَ ٣	وَإِنَّ	لَهُ	عِنْدَنَا	لَزُلْفَى
पस बख़्श दिया हमने	उसे	उसमें	और बेशक	उसके लिए	हमारे यहां	अलबत्ता तक्ररुब है
مَابٍ ②⑤	يَدَاوُدُ	إِنَّا	جَعَلْنَاكَ	خَلِيفَةً	فِي الْأَرْضِ	فَاحْكُمْ بَيْنَ
ठिकाना है	ऐ दाऊद	बेशक हम	बनाया हमने तुझे	खलीफ़ा	ज़मीन में	पस फैसला कर दर्मियान
النَّاسِ	بِالْحَقِّ	وَلَا	تَتَّبِعِ	الْهَوَى	فِيضْلَكَ	عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ ٣
लोगों के	साथ हक के	और ना	तू पैरवी कर	ख्वाहिश की	तो वो भटका देगी तुझे	अल्लाह के रास्ते से

إِنَّ	الَّذِينَ	يَضِلُّونَ	عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ	لَهُمْ	عَذَابٌ	شَدِيدٌ
बेशक	वो जो	भटकते हैं	अल्लाह के रास्ते से	उनके लिए	अज़ाब है	शदीद
بِمَا	نَسُوا	يَوْمَ	الْحِسَابِ 26	وَمَا	خَلَقْنَا	السَّمَاءَ وَالْأَرْضَ
बवजह उसके जो	वो भूल गए	दिन को	हिसाब के	और नहीं	पैदा किया हमने	आसमान और ज़मीन को
وَمَا	بَيْنَهُمَا	بَاطِلًا	ذَلِكَ	ظُنُّ	الَّذِينَ	كَفَرُوا 27
और जो	इन दोनों के दर्मियान है	बातिल	ये	गुमान है	उनका जिन्होंने	कुफ़ किया
لِلَّذِينَ	كَفَرُوا	مِنَ النَّارِ 27	أَمْ	نَجْعَلُ	الَّذِينَ	أَمَنُوا
उनके लिए जिन्होंने	कुफ़ किया	आग से	क्या	हम कर देंगे	उन्हें जो	ईमान लाए
وَعَمِلُوا	الصَّالِحَاتِ	كَالْمُفْسِدِينَ	فِي الْأَرْضِ 28	أَمْ	نَجْعَلُ	
और उन्होंने अमल किए	नेक	फ़साद करने वालों की तरह	ज़मीन में	या	हम कर देंगे	
الْمُتَّقِينَ	كَالْفُجَّارِ 28	كِتَابٌ	أَنْزَلْنَاهُ	إِلَيْكَ	مُبْرَكٌ	لِّيَذَّبُرُوا
मुत्तक़ी लोगों को	बदकारों की तरह	एक किताब है	नाज़िल किया हमने उसे	आपकी तरफ़	बाबरकत है	ताकि वो ग़ौरी फ़िक्र करें
أَيَّتِهِ	وَلِيَتَذَكَّرَ	أُولُوا الْأَلْبَابِ 29	وَوَهَبْنَا	لِدَاوُدَ	سُلَيْمَانَ 30	
उसकी आयात में	और ताकि नसीहत पकड़ें	अक़्ल वाले	और अता किया हमने	दाऊद को	सुलैमान	
نِعْمَ	الْعَبْدُ 31	إِنَّهُ	أَوَّابٌ 32	إِذْ	عُرِضَ	عَلَيْهِ
कितना अच्छा	बंदा	बेशक वो	बहुत रुजूअ करने वाला था	जब	पेश किए गए	उस पर
الْصَّفِينَتُ	الْجِيَادُ 31	فَقَالَ	إِنِّي	أَحَبُّتُ	حَبَّ	الْخَيْرِ
असील घोड़े	उम्दा	तो उसने कहा	बेशक मैं	महबूब रखा मैंने	मोहब्बत को	माल की
رَبِّي 32	حَتَّى	تَوَارَتْ	بِالْحِجَابِ 32	رُدُّوْهَا	عَلَى 33	فَطَفِقَ
अपने रब की	यहां तक कि	वो छुप गए	पर्दे में	फेर लाओ उन्हें	मुझ पर	तो लगा
						हाथ फेरने

بِالسُّوقِ	وَالْأَعْنَاقِ ③③	وَلَقَدْ	فَتَنَّا	سُلَيْمَانَ	وَالْقَيْنَا
पिंडलियों पर	और गर्दनों पर	और अलबत्ता तहकीक़	आज़माया हमने	सुलैमान को	और डाल दिया हमने
عَلَى كُرْسِيِّهِ	جَسَدًا	ثُمَّ	أَنَابَ ③④	قَالَ	رَبِّ
उसकी कुर्सी पर	एक जिस्म	फिर	उसने रुजूअ कर लिया	उसने कहा	ऐ मेरे रब
وَهَبْ لِي	مُلْكًا	لَّا يَنْبَغِي	لِأَحَدٍ	مِّنْ بَعْدِي ٥	إِنَّكَ
और अता कर	मुझे	ऐसी बादशाहत	ना हासिल हो	किसी एक को	मेरे बाद
أَلَوْهَابُ ③⑤	فَسَخَّرْنَا	لَهُ	الرِّيحَ	تَجْرِي	بِأَمْرِهِ
बहुत अता करने वाला	तो मुसख़्ख़र किया हमने	उसके लिए	हवा को	जो चलती थी	उसके हुक्म से
أَصَابَ ③⑥	وَالشَّيْطَانِ	كُلِّ	بَنَاءٍ	وَعَوَاصٍ ③⑦	وَأَخْرَيْنَ
वो पहुंचना चाहता	और सरकश जिनों को	हर तरह के	मेमार	और गोता ख़ोर	और कुछ दूसरे
مُقَرَّرَيْنِ	فِي الْأَصْفَادِ ③⑧	هَذَا	عَطَاؤُنَا	فَأَمْنُنْ	أَوْ
जकड़े हुए	बेड़ियों में	ये है	बख़्शिश थी हमारी	पस एहसान करो	या
بَغَيْرِ حِسَابٍ ③⑨	وَإِنَّ	لَهُ	عِنْدَنَا	لَزُلْفَى	وَحُسْنٍ
बग़ैर	हिसाब के	और बेशक	उसके लिए	हमारे पास	अलबत्ता तकरूब है
وَاذْكُرْ	عَبْدَنَا	أَيُّوبَ ٥	إِذْ	نَادَى	رَبَّهُ ٥
और ज़िक्र कीजिए	हमारे बंदे	अय्यूब का	जब	उसने पुकारा	अपने रब को
الشَّيْطَانُ	بِنُصْبٍ	وَعَذَابٍ ④①	أَرْكُضُ	بِرَجْلِكَ ٥	هَذَا
शैतान ने	तकलीफ़	और अज़ाब	मार	पांव अपना	ये
بَارِدٌ	وَشَرَابٌ ④②	وَوَهَبْنَا	لَهُ	أَهْلَهُ	وَمِثْلَهُمْ
ठंडा	और पीने का पानी है	और अता किए हमने	उसे	उसके घर वाले	और मारिंद उनके
					साथ उनके

رَحْمَةً	مِّنَّا	وَذِكْرَى	لِأُولِي الْأَلْبَابِ ④3	وَخُذْ	بِيَدِكَ
बतौर ए रहमत	हमारी तरफ़ से	और एक नसीहत	अक़ल वालों के लिए	और ले ले	अपने हाथ से
ضَعْنًا	فَأَضْرِبْ	بِهِ	وَلَا	تَحْنُثْ ٭	إِنَّا
तिनकों का एक मुट्ठा	फिर मार	साथ उसके	और ना	तू कसम तोड़	बेशक हम
نَعْمَ	الْعَبْدُ ٭	إِنَّهُ	أَوَّابٌ ④4	وَإِذْ كُرِّرْ	عِبْدَانَا
कितना अच्छा	बंदा था	बेशक वो	बहुत रुजूअ करने वाला था	और ज़िक्र करो	हमारे बंदों
وَإِسْحَاقَ	وَيَعْقُوبَ	أُولَى الْأَيْدَى	وَالْأَبْصَارِ ④5	إِنَّا	
और इसहाक़	और याक़ूब का	जो हाथों वाले	और आंखों वाले थे	बेशक हम	
أَخْلَصْنَهُمْ	بِخَالِصَةٍ	ذِكْرَى	الدَّارِ ④6	وَإِنَّهُمْ	عِنْدَنَا
ख़ालिस कर लिया था हमने उन्हें	साथ ख़ास सिफ़त के	(जो) याद थी	असल घर की	और बेशक वो	हमारे नज़दीक
لِّبَنِ الْمُصْطَفَيْنِ	الْأَخْيَارِ ④7	وَإِذْ كُرِّرْ	إِسْعِیْلَ	وَالْيَسَعَ	
अलबत्ता चुने हुआं में से थे	जो नेक थे	और ज़िक्र कीजिए	इस्माईल	और यसअ	
وَذَا الْكِفْلِ ٭	وَكُلٌّ	مِّنَ الْأَخْيَارِ ④8	هَذَا	ذِكْرٌ ٭	وَإِنَّ
और जुलकिफ़ल का	और वो सब	नेक लोगों में से थे	ये	एक ज़िक्र है	और बेशक
لِحُسْنِ	مَا بَ ④9	جَنَّتِ	عَدْنٍ	مُّفْتَحَةً	لَّهُمْ
अलबत्ता अच्छा है	ठिकाना	बाग़ात	हमेशगी के	खुले होंगे	उनके लिए
مُتَكِّينَ	فِيهَا	يَدْعُونَ	فِيهَا	بِفَاكِهَةٍ	كَثِيرَةٍ
तकिया लगाए हुए होंगे	उनमें	तलब करेंगे वो	उनमें	फल	बहुत से
وَعِنْدَهُمْ	قُصِرَتْ	الطَّرْفِ	أَثْرَابٌ ⑤2	هَذَا	مَا
और उनके पास होंगी	नीची रखने वालियां	निगाहों को	हम उम्र	ये है	वो जिसका
					तुम वादा किए जाते थे

لِيَوْمِ	الْحِسَابِ 53	إِنَّ هَذَا	لَرِزْقُنَا	مَا لَهُ	مِنْ نَفَادٍ 54		
दिन के लिए	हिसाब के	बेशक	ये	अलबत्ता रिज़क है हमारा	नहीं है	उसके लिए	कभी ख़त्म होना
هَذَا 1	وَإِنَّ	لِلطَّغِينَ	لَشَرٍّ	مَا بَ 55	جَهَنَّمَ 2	يَصْلَوْنَهَا 3	
ये है (बदला)	और बेशक	सरकश लोगों के लिए	अलबत्ता बुरा है	ठिकाना	जहन्नम	वो जलेंगे उसमें	
فَبِئْسَ	الْبِهَادُ 56	هَذَا 4	فَلْيَذُوقُوهُ	حَيِّمٌ	وَعَسَاقٌ 57		
तो बहुत बुरा है	ठिकाना	ये है (बदला)	पस चाहिए कि वो चखें उसे	खौलता हुआ पानी	और पीप		
وَأَخْرَ	مِنْ شَكْلِهِ	أَزْوَاجٌ 58	هَذَا 5	فَوْجٌ	مُتَّقِمٌ	مَعَكُمْ 6	
और कुछ दूसरे	उसकी शकल के	कई किस्मों के	ये	एक फ़ौज/लश्कर है	घुसने वाला है	साथ तुम्हारे	
لَا مَرْحَبًا	بِهِمْ 7	إِنَّهُمْ	صَالُوا	النَّارِ 59	قَالُوا	بَلْ أَنْتُمْ 8	
नहीं कोई खुश आमदीद	उन्हें	बेशक वो	जलने वाले हैं	आग में	वो कहेंगे	बल्कि	तुम
لَا مَرْحَبًا	بِكُمْ 9	أَنْتُمْ	قَدْ مُسِّوهُ	لَنَا 10	فَبِئْسَ	الْقَرَارُ 60	
नहीं कोई खुश आमदीद	तुम्हें	तुम ही	आगे लाए हो तुम उसे	हमारे लिए	तो कितनी बुरी है	जाय करार	
قَالُوا	رَبَّنَا	مَنْ	قَدَّمَ	لَنَا	هَذَا	فَزِدْهُ	عَذَابًا
वो कहेंगे	ऐ हमारे रब	जो	आगे लाया	हमारे	ये	पस ज़्यादा दे उसे	अज़ाब
ضَعْفًا	فِي النَّارِ 61	وَقَالُوا	مَا	لَنَا	لَا نَرَى	رِجَالًا	كُنَّا
कई गुना	आग में	और वो कहेंगे	क्या है	हमारे लिए	नहीं हम देखते	कुछ लोगों को	थे हम
نَعُدُّهُمْ	مِّنَ الْأَشْرَارِ 62	أَتَّخَذْنَاهُمْ	سِخْرِيًّا	أَمْ	زَاغَتْ	عَنْهُمْ	
शुमार करते उन्हें	शरीर लोगों में से	क्या बना लिया हमने उनको	मज़ाक़	या	कज हो गई	उनसे	
الْأَبْصَارُ 63	إِنَّ	ذَلِكَ	لِحَقٍّ	تَخَاصُمُ	أَهْلِ النَّارِ 64	قُلْ	
निगाहें	बेशक	ये	अलबत्ता हक़ है	बाहम झगड़ना	आग वालों का	कह दीजिए	

إِنِّبَا أَنَا مُنْذِرٌ ط	وَمَا مِنْ إِلَهٍ إِلَّا اللَّهُ الْوَاحِدُ	بेशک	مैं	डराने वाला हूँ	और नहीं	कोई इलाह (बरहक)	सिवाए	अल्लाह के	जो एक है
الْقَهَّارُ ج 65 رَبُّ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا الْعَزِيزُ	बहुत ज़बरदस्त है	रब है	आसमानों	और ज़मीन का	और जो कुछ	उन दोनों के दर्मियान है	जो बहुत ज़बरदस्त है		
الْغَفَّارُ 66 قُلْ هُوَ نَبَأٌ عَظِيمٌ 67 أَنْتُمْ عَنْهُ	बहुत बख्शिशा फ़रमाने वाला है	कह दीजिए	वो	एक ख़बर है	बहुत बड़ी	तुम	उससे		
مُعْرِضُونَ 68 مَا كَانَ لِي مِنْ عِلْمٍ إِلَّا بِالْهَلَاكِ عَلَى إِذْ	ऐराज़ करने वाले हो	नहीं	हैं	मुझे	कोई इल्म	मलाए आला/मुकर्रब फ़रिश्तों का	जब		
يَخْتَصِمُونَ 69 إِنَّ يُوْحَىٰ إِلَىٰ إِلَّا أَنبَا أَنَا نَذِيرٌ	वो झगड़ते हैं	नहीं	वही की जाती	मेरी तरफ़	मगर	ये कि	मैं तो	डराने वाला हूँ	
مُبِينٌ 70 إِذْ قَالَ رَبُّكَ لِلْمَلِكَةِ إِنِّي خَالِقٌ بَشَرًا	खुल्लम-खुल्ला	जब	फ़रमाया	आपके रब ने	फ़रिश्तों से	बेशक मैं	पैदा करने वाला हूँ	एक बशर को	
مِنْ طِينٍ 71 فَإِذَا سَوَّيْتُهُ وَنَفَخْتُ فِيهِ مِنْ رُّوحِي فَقَعُوا	मिट्टी से	फिर जब	दुरुस्त कर दूँ मैं उसे	और फूँक दूँ मैं	उसमें	अपनी रूह से	तो गिर पड़ना		
لَهُ سَجِدِينَ 72 فَسَجَدَ الْمَلِكَةُ كُلُّهُمْ أَجَعُونَ 73 إِلَّا	उसके लिए	सज्दा करते हुए	तो सज्दा किया	फ़रिश्तों ने	उन सबने	इकट्ठे	सिवाए		
إِبْلِيسَ ط اسْتَكْبَرَ وَكَانَ مِنَ الْكَافِرِينَ 74 قَالَ يَا بَلِيسَ مَا	इब्लीस के	उसने तकबुर किया	और हो गया वो	काफ़िरों में से	फ़रमाया	ऐ इब्लीस	किस चीज़ ने		
مَنْعَكَ أَنْ تَسْجُدَ لَهَا خَلَقْتُ بِيدَيَّ ط اسْتَكْبَرَتْ	रोका तुझे	इससे कि	तू सज्दा करे	उसको जिसे	पैदा किया मैं ने	अपने दोनों हाथों से	क्या तकबुर किया तूने		

أَمْ كُنْتَ مِنَ الْعَالِينَ 75	قَالَ	أَنَا	خَيْرٌ	مِّنْهُ ٥	خَلَقْتَنِي	أَمْ
बुलंद मर्तबा लोगों में से	उसने कहा	मैं	बेहतर हूँ	उससे	पैदा किया तूने मुझे	या
مِنْ نَّارٍ وَخَلَقْتَهُ مِنْ طِينٍ 76	قَالَ	فَاخْرُجْ	مِنْهَا	فَإِنَّكَ	رَجِيمٌ 77	وَأَنْ
और पैदा किया तूने उसे	मिट्टी से	फ़रमाया	पस निकल जा	इससे	पस बेशक तू	आग से
وَأَنْ عَلَيْكَ لَعْنَتِي إِلَى يَوْمِ الدِّينِ 78	قَالَ	رَجِيمٌ 77	وَأَنْ	عَلَيْكَ	لَعْنَتِي	إِلَى يَوْمِ
और बेशक	तुझ पर	लानत है मेरी	दिन तक	बदले के	उसने कहा	मरदूद है
فَانْظُرْنِي إِلَى يَوْمِ يُبْعَثُونَ 79	قَالَ	فَإِنَّكَ	رَبِّ	فَانْظُرْنِي	إِلَى يَوْمِ	يُبْعَثُونَ 79
फिर मोहलत दे मुझे	उस दिन तक	जब वो सब उठाए जाएंगे	फ़रमाया	पस बेशक तू	पस बेशक तू	ऐ मेरे रब
مِنَ الْمُنْظَرِينَ 80	إِلَى يَوْمِ	الْوَقْتِ الْمَعْلُومِ 81	قَالَ	فَبِعِزَّتِكَ	مِنَ الْمُنْظَرِينَ 80	إِلَى يَوْمِ
मोहलत दिए जाने वालों में से है	उस दिन तक	जिसका वक़्त	मालूम है	उसने कहा	पस क़सम है तेरी इज़्ज़त की	मोहलत दिए जाने वालों में से है
لَا أُغْوِيَنَّهُمْ أَجْعِلْ 82	إِلَّا	عِبَادَكَ مِنْهُمْ	الْمُخْلِصِينَ 83	لَا أُغْوِيَنَّهُمْ	أَجْعِلْ 82	إِلَّا
सब के सब को	सिवाए	तेरे बंदों के	उनमें से	जो ख़ालिस किए हुए हैं	अलबत्ता मैं ज़रूर गुमराह कर दूंगा उन्हें	अलबत्ता मैं ज़रूर गुमराह कर दूंगा उन्हें
قَالَ فَالْحَقُّ وَالْحَقُّ أَقُولُ 84	لَأَمْلَأَنَّ	جَهَنَّمَ	مِنْكَ	قَالَ	فَالْحَقُّ	وَالْحَقُّ
फ़रमाया	पस हक़ है	और हक़ ही	मैं कहता हूँ	अलबत्ता मैं ज़रूर भर दूंगा	जहन्नम को	तुझ से
وَمِمَّنْ تَبِعَكَ مِنْهُمْ أَجْعِلْ 85	قُلْ	مَا	أَسْأَلُكُمْ عَلَيْهِ	وَمِمَّنْ	تَبِعَكَ	مِنْهُمْ
और उनसे जो	पैरवी करेंगे तेरी	उनमें से	सब के सब से	कह दीजिए	नहीं	मैं मांगता तुमसे
مِنْ أَجْرِ وَمَا أَنَا مِنَ الْمُتَكَلِّفِينَ 86	إِنْ	هُوَ	إِلَّا	ذِكْرٌ	مِنْ أَجْرِ	وَمَا أَنَا
कोई अज़्र	और नहीं हूँ	मैं	तकल्लुफ़ करने वालों में से	नहीं है	वो	मगर
لِّلْعَالَمِينَ 87	وَلَتَعْلَمَنَّ	نَبَأَهُ	بَعْدَ	حِينَ 88	لِّلْعَالَمِينَ 87	وَلَتَعْلَمَنَّ
तमाम ज़हान वालों के लिए	और अलबत्ता तुम ज़रूर जान लोगे	ख़बर उसकी	बाद	एक वक़्त के	एक वक़्त के	और अलबत्ता तुम ज़रूर जान लोगे

آيَاتُهَا: 75

39 سُورَةُ الرُّمَرِ مَكِّيَّةٌ 59

رُكُوعَاتُهَا: 8

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

تَنْزِيلُ	الْكِتَابِ	مِنْ اللَّهِ	الْعَزِيزِ	الْحَكِيمِ ①	إِنَّا	أَنْزَلْنَاهُ
नाज़िल करना है	किताब का	अल्लाह की तरफ़ से	जो बहुत ज़बरदस्त है	ख़ूब हिक्मत वाला है	बेशक हम	नाज़िल की हमने
إِلَيْكَ	الْكِتَابَ	بِالْحَقِّ	فَاعْبُدِ	اللَّهَ	مُخْلِصًا	لَّهُ ②
तरफ़ आपके	किताब	साथ हक़ के	पस इबादत कीजिए	अल्लाह की	ख़ालिस करते हुए	उसके लिए
أَلَا	لِلَّهِ	الدِّينُ	الْخَالِصُ ③	وَالَّذِينَ	اتَّخَذُوا	مِنْ دُونِهِ
ख़बरदार	अल्लाह ही के लिए है	दीन	ख़ालिस	और वो जिन्होंने	बना रखे हैं	उसके सिवा
أُولِيَاءُ ④	مَا	تَعْبُدُهُمْ	إِلَّا	لِيُقَرَّبُونَا	إِلَى اللَّهِ	زُلْفَى ⑤
सरपरस्त	नहीं	हम इबादत करते उनकी	मगर	ताकि वो करीब कर दें हमें	तरफ़ अल्लाह के	क़रीब करना
اللَّهُ	يَحْكُمُ	بَيْنَهُمْ	فِي مَا	هُمْ	فِيهِ	يَخْتَلِفُونَ ⑥
अल्लाह	वो फैसला करेगा	दर्मियान उनके	उसमें जो	वो	जिसमें	वो इख़िलाफ़ करते हैं
لَا يَهْدِي	مَنْ	هُوَ	كَذِبٌ	كَفَّارٌ ⑦	كَوْ	أَرَادَ
नहीं वो हिदायत देता	उसे जो है	वो	झूठा	बहुत नाशुक्रा	अगर	चाहता
يَتَّخِذَ	وَلَدًا	لَّا صُطْفَى	مِمَّا	يَخْلُقُ	مَا	يَشَاءُ ⑧
वो बना ले	औलाद	अलबत्ता वो चुन लेता	उसमें से जो	वो पैदा करता है	जो	वो चाहता है
هُوَ	اللَّهُ	الْوَاحِدُ	الْقَهَّارُ ⑨	خَلَقَ	السَّمَوَاتِ	وَالْأَرْضِ
वो	अल्लाह	एक है	बहुत ज़बरदस्त है	उसने पैदा किया	आसमानों	और ज़मीन को
يُكَوِّرُ	الَّيْلَ	عَلَى النَّهَارِ	وَيُكَوِّرُ	النَّهَارَ	عَلَى اللَّيْلِ	وَسَخَّرَ
वो लपेटता है	रात को	दिन पर	और वो लपेटता है	दिन को	रात पर	और उसने मुसख़्ख़र कर रखा है

الشَّسَس	وَالْقَمَرُ ط	كُلُّ	يَجْرِي	لِاجِلٍ	مُسَيَّ ط	أَلَا	هُوَ
सूरज	और चांद को	हर एक	चल रहा है	एक वक़्त के लिए	मुक़रर	ख़बरदार	वो ही है
الْعَزِيزُ	الْغَفَّارُ ⑤	خَلَقَكُمْ	مِّنْ نَّفْسٍ	وَاحِدَةٍ	ثُمَّ	جَعَلَ	
बहुत ज़बरदस्त	बहुत बख़्शिश फ़रमाने वाला	उसने पैदा किया तुम्हें	जान से	एक ही	फिर	उसने बनाया	
مِنْهَا	زَوْجَهَا	وَأَنْزَلَ	لَكُمْ	مِّنَ الْأَنْعَامِ	ثَنِيَّةً	أَزْوَاجَ ط	
उससे	जोड़ा उसका	और उसने उतारे	तुम्हारे लिए	मवेशियों में से	आठ	जोड़े	
يَخْلُقُكُمْ	فِي بُطُونٍ	أُمّهَاتِكُمْ	خَلْقًا	مِّنْ بَعْدِ	خَلْقِ		
वो तख़लीक़ करता है तुम्हारी	पेटों में	तुम्हारी मांओं के	एक तख़लीक़	बाद	(दूसरी) तख़लीक़ के		
فِي ظُلُمَاتٍ	ثَلَاثَ ط	ذِكْرُكُمْ	اللَّهُ	رَبُّكُمْ	لَهُ	الْمَلِكُ ط	لَا
अंधेरों में	तीन	ये है	अल्लाह	रब तुम्हारा	उसी के लिए है	बादशाहत	नहीं
إِلَهُ	إِلَّا	هُوَ ه	فَأَنِّي	تُصَرِّفُونَ ⑥	إِنْ	تَكْفُرُوا	فَإِنَّ
कोई इलाह (बरहक)	मगर	वही	तो किस तरह	तुम फेरे जाते हो	अगर	तुम नाशुकी करोगे	तो बेशक
اللَّهُ	غَنِيٌّ	عَنْكُمْ ق	وَلَا	يَرْضَى	لِعِبَادِهِ	الْكُفْرَ ه	وَإِنْ
अल्लाह	बहुत बेनियाज़ है	तुमसे	और नहीं	वो पसंद करता	अपने बंदों के लिए	नाशुकी को	और अगर
تَشْكُرُوا	يَرْضَاهُ	لَكُمْ ط	وَلَا	تَزِرُ	وَأَزِرُّهُ	وَزَرَ ط	أُخْرَى ط
तुम शुक्र करोगे	वो पसंद करता उसे	तुम्हारे लिए	और नहीं	बोझ उठाएगी	कोई बोझ उठाने वाली	बोझ	दूसरी का
ثُمَّ	إِلَى رَبِّكُمْ	مَّرْجِعُكُمْ	فَيُنَبِّئُكُمْ	بِمَا	كُنْتُمْ	تَعْمَلُونَ ط	
फिर	तरफ़ अपने रब ही के	लौटना है तुम्हारा	फिर वो बताएगा तुम्हें	वो जो	थे तुम	तुम अमल करते	
إِنَّهُ	عَلِيمٌ ه	بِذَاتِ الصُّدُورِ ⑦	وَإِذَا	مَسَّ	الْإِنْسَانَ	ضُرُّ	
बेशक वो	ख़ूब जानने वाला है	सीनों वाले (भेद)	और जब	पहुंचती है	इंसान को	कोई तकलीफ़	

دَعَا	رَبَّهُ	مُنِيبًا	إِلَيْهِ	ثُمَّ	إِذَا	خَوَّلَهُ	نِعْمَةً
वो पुकारता है	अपने रब को	रुजूअ करते हुए	तरफ़ उसके	फिर	जब	वो अता कर देता है उसे	कोई नेअमत
مِّنْهُ	نَسِيَ	مَا	كَانَ	يَدْعُوًا	إِلَيْهِ	مِنْ قَبْلُ	وَجَعَلَ
अपने पास से	वो भूल जाता है	उसे जो	था वो	वो पुकारता	तरफ़ उसके	उससे पहले	और वो बना देता है
لِلَّهِ	أَنْدَادًا	لِّيُضِلَّ	عَنْ سَبِيلِهِ ^ط	قُلْ	تَتَّبِعْ	بِكُفْرِكَ	
अल्लाह के लिए	कुछ शरीक	ताकि वो भटका दे	उसके रास्ते से	कह दीजिए	फ़ायदा उठा ले	साथ अपने कुफ़्र के	
قَلِيلًا ^ك	إِنَّكَ	مِنْ أَصْحَابِ النَّارِ ^⑧	أَمَّنْ هُوَ	قَانِتٌ	أَنَاءٌ		
थोड़ा सा	बेशक तू	आग वालों में से है	क्या भला वो जो	बंदगी करने वाला है	घड़ियों में से		
الَّيْلِ	سَاجِدًا	وَقَائِمًا	يَحْذَرُ	الْآخِرَةَ	وَيَرْجُوا	رَحْمَةً	
रात की	सज्दा करने वाला है	और क़ायम करने वाला है	डरता है	आख़िरत से	और उम्मीद रखता है	रहमत की	
رَبِّهِ ^ط	قُلْ	هَلْ	يَسْتَوِي	الَّذِينَ	يَعْلَمُونَ	وَالَّذِينَ	
अपने रब की	कह दीजिए	क्या	बराबर हो सकते हैं	वो जो	इल्म रखते हैं	और वो जो	
لَا يَعْلَمُونَ ^ط	إِنَّمَا	يَتَذَكَّرُ	أُولُوا الْأَلْبَابِ ^⑨	قُلْ	يُعْبَادُ	الَّذِينَ	
नहीं वो इल्म रखते	बेशक	नसीहत पकड़ते हैं	अक़ल वाले	कह दीजिए	ऐ मेरे बंदो	वो जो	
أَمِنُوا	اتَّقُوا	رَبَّكُمْ ^ط	لِلَّذِينَ	أَحْسَنُوا	فِي هَذِهِ الدُّنْيَا		
ईमान लाए हो	डरो	अपने रब से	उनके लिए जिन्होंने	अच्छा किया	इस दुनिया में		
حَسَنَةً ^ط	وَأَرْضُ	اللَّهِ	وَاسِعَةٌ ^ط	إِنَّمَا	يُوفَى	الصَّابِرُونَ	
भलाई है	और ज़मीन	अल्लाह की	वसीअ है	बेशक	पूरा-पूरा दिए जाएंगे	सब्र करने वाले	
أَجْرَهُمْ	بِغَيْرِ	حِسَابٍ ^⑩	قُلْ	إِنِّي	أُمِرْتُ	أَنْ	أَعْبُدَ
अज़्र अपना	बग़ैर	हिसाब के	कह दीजिए	बेशक मैं	हुक्म दिया गया हूँ मैं	कि	मैं इबादत करूँ

اللَّهُ	مُخْلِصًا	لَهُ	الدِّينَ ⑪	وَأُمِرْتُ	لَآنَ	أَكُونُ	أَوَّلَ
अल्लाह की	ख़ालिस करते हुए	उसके लिए	दीन को	और हुकम दिया गया हूँ मैं	ये कि	मैं हो जाऊँ	सबसे पहला
الْمُسْلِمِينَ ⑫	قُلْ	إِنِّي	أَخَافُ	إِنْ	عَصَيْتُ	رَبِّي	عَذَابَ
फ़रमांबरदारों में से	कह दीजिए	बेशक मैं	मैं डरता हूँ	अगर	नाफ़रमानी की मैंने	अपने रब की	अज़ाब से
يَوْمِ عَظِيمٍ ⑬	قُلْ	اللَّهُ	أَعْبُدُ	مُخْلِصًا	لَهُ	دِينِي ⑭	
बड़े दिन के	कह दीजिए	अल्लाह ही की	मैं इबादत करता हूँ	ख़ालिस करते हुए	उसके लिए	अपने दीन को	
فَاعْبُدُوا	مَا	شَعْتُمْ	مِّنْ دُونِهِ ط	قُلْ	إِنَّ	الْخَسِرِينَ	
पस तुम इबादत करो	जिसकी	चाहो तुम	उसके सिवा	कह दीजिए	बेशक	ख़सारा पाने वाले	
الَّذِينَ	خَسِرُوا	أَنْفُسَهُمْ	وَأَهْلِيَهُمْ	يَوْمَ الْقِيَمَةِ ط	أَلَا	ذَلِكَ	
वो हैं जिन्होंने	ख़सारे में डाला	अपने आपको	और अपने घर वालों को	दिन	क़यामत के	ख़बरदार	यही है
هُوَ	الْخُسْرَانُ	الْمُبِينُ ⑮	لَهُمْ	مِّنْ فَوْقِهِمْ	ظُلُّ	مِّنَ النَّارِ	
वो	ख़सारा	खुल्लम-खुल्ला	उनके लिए	उनके ऊपर से	छतरियां हैं	आग की	
وَمِنَ تَحْتِهِمْ	ظُلُّ ط	ذَلِكَ	يُخَوِّفُ	اللَّهُ	بِهِ	عِبَادَهُ ط	
और उनके नीचे से	छतरियां हैं	यही है	डराता है	अल्लाह	साथ इसके	अपने बंदो को	
لِعِبَادٍ	فَاتَّقُونِ ⑯	وَالَّذِينَ	اجْتَنَبُوا	الطَّاغُوتَ	أَنْ	يَعْبُدُوهَا	
ऐ मेरे बंदो	पस डरो मुझसे	और वो जिन्होंने	इज्तिनाब किया	ताग़ूत से	कि	वो इबादत करें उसकी	
وَأَنَابُوا	إِلَى اللَّهِ	لَهُمْ	الْبُشْرَى ط	فَبَشِّرْ	عِبَادِ ⑰	الَّذِينَ	
और रुजूअ किया	तरफ़ अल्लाह के	उनके लिए	खुशख़बरी है	पस खुशख़बरी दे दीजिए	मेरे बंदो को	वो लोग जो	
يَسْتَبْعُونَ	الْقَوْلَ	فَيَتَّبِعُونَ	أَحْسَنَهُ ط	أُولَئِكَ	الَّذِينَ		
ग़ौर से सुनते हैं	बात को	फिर वो पैरवी करते हैं	उसके बेहतरीन (हिस्से) की	यही लोग हैं	वो जो		

هَدَاهُمْ	اللَّهُ	وَأُولَئِكَ هُمْ	أُولُوا الْأَلْبَابِ ⑮	أَفَنَنْ	حَقَّ
हिदायत दी उन्हें	अल्लाह ने	और यही लोग हैं	वो	जो अक़ल वाले हैं	क्या भला जो साबित हो गई
عَلَيْهِ كَلِمَةٌ الْعَذَابِ ٥	أَفَأَنْتَ	تُنْقِذُ	مَنْ فِي النَّارِ ⑯	لَكِنْ	
उस पर	बात	अज़ाब की	क्या भला आप	आप बचाएंगे	उसे जो आग में है लेकिन
الَّذِينَ اتَّقَوْا رَبَّهُمْ لَهُمْ غُرُفٌ مِّنْ فَوْقِهَا غُرُفٌ					
वो जिन्होंने	तक़वा किया	अपने रब का	उनके लिए	बालाखाने हैं	उनके ऊपर (और) बालाखाने हैं
مَبْنِيَّةٌ تَجْرَى مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ ٦	وَعَدَ اللَّهُ ٧	لَا يُخْلِفُ			
बनाए हुए	बहती हैं	उनके नीचे से	नहरें	वादा है	अल्लाह का ना ख़िलाफ़ करेगा
اللَّهُ الْبَيْعَادَ ⑰	أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ أَنْزَلَ مِنَ السَّمَاءِ				
अल्लाह	वादे को	क्या नहीं	आपने देखा	बेशक	अल्लाह ने उतारा आसमान से
مَاءٍ فَسَلَكَهُ يَنَابِيعٌ فِي الْأَرْضِ ٨	ثُمَّ يُخْرِجُ بِهِ زُرْعًا				
पानी	फिर उसने चलाया उसे	चश्मे (बनाकर)	ज़मीन में	फिर	वो निकालता है साथ उसके खेती को
مُخْتَلِفًا أَلْوَانُهُ ٩	ثُمَّ يَهْبِجُ يَنْبُجًا ١٠	فَتَرَاهُ مُصْفَرًّا ١١	ثُمَّ يَجْعَلُهُ		
मुख़्तलिफ़ हैं	रंग उसके	फिर	वो खुशक हो जाती है	फिर तुम देखते हो उसे	ज़र्द फिर वो कर देता है उसे
حُطَامًا ١٢	إِنَّ فِي ذَلِكَ لَذِكْرَى ١٣	لِأُولِي الْأَلْبَابِ ⑱	أَفَنَنْ	شَرَحَ	
रेज़ा-रेज़ा	यक़ीनन	उसमें	अलबत्ता नसीहत है	अक़ल वालों के लिए	क्या भला वो जो खोल दिया
اللَّهُ صَدْرَهُ لِلْإِسْلَامِ ١٤	فَهُوَ عَلَى نُورٍ ١٥	مِّنْ رَبِّهِ ١٦	فَوَيْلٌ		
अल्लाह ने	सीना उसका	इस्लाम के लिए	पस वो है	एक नूर पर	अपने रब की तरफ़ से तो हलाकत है
لِّلْقِسِيَةِ ١٧	قُلُوبُهُمْ ١٨	مِّنْ ذِكْرِ اللَّهِ ١٩	أُولَئِكَ فِي ضَلَالٍ مُّبِينٍ ⑳		
उनके लिए कि सख़्त हैं	दिल जिनके	अल्लाह की याद से	यही लोग हैं	खुली गुमराही में	

اللَّهُ	نَزَّلَ	أَحْسَنَ	الْحَدِيثِ	كِتَابًا	مُّتَشَابِهًا	مَّثَانِي ^ك	تَقْشَعِرُّ
अल्लाह ने	नाज़िल की	बेहतरीन	बात	ऐसी किताब	आपस में मिलती जुलती है	दोहराई जाने वाली है	लरज़ने लगती हैं
مِنْهُ	جُلُودُ	الَّذِينَ	يَخْشَوْنَ	رَبَّهُمْ ^ج	ثُمَّ	تَلَيْنُ	جُلُودَهُمْ
उससे	जिल्दें	उन लोगों की जो	डरते हैं	अपने रब से	फिर	नर्म हो जाती हैं	जिल्दें उनकी
وَقُلُوبُهُمْ	إِلَى ذِكْرِ اللَّهِ ^ط	ذَلِكَ	هُدًى	اللَّهُ	يَهْدِي	بِهِ	مَنْ
और दिल उनके	तरफ़ अल्लाह की याद के	ये है	हिदायत	अल्लाह की	वो हिदायत देता है	साथ इसके	जिसे
يَشَاءُ ^ط	وَمَنْ	يُضِلُّ	اللَّهُ	فَبَا	لَهُ	مِنْ هَادٍ ²³	أَفْسَنْ
वो चाहता है	और जिसे	गुमराह कर दे	अल्लाह	तो नहीं	उसके लिए	कोई हिदायत देने वाला	क्या भला वो जो
يَتَّقِي	بِوَجْهِهِ	سُوءَ	الْعَذَابِ	يَوْمَ	الْقِيَمَةِ ^ط	وَقِيلَ	لِلظَّالِمِينَ
बचेगा	साथ अपने चेहरे के	बुरे	अज़ाब से	दिन	क़यामत के	और कहा जाएगा	ज़ालिमों से
ذُوقُوا	مَا	كُنْتُمْ	تَكْسِبُونَ ²⁴	كَذَّبَ	الَّذِينَ	مِنْ قَبْلِهِمْ	
चखो	जो	थे तुम	तुम कमाई करते	झुठलाया	उन लोगों ने जो	उनसे पहले थे	
فَأْتَهُمْ	الْعَذَابُ	مِنْ حَيْثُ	لَا يَشْعُرُونَ ²⁵	فَإِذَا	قَهُمُ	اللَّهُ	
तो आया उनके पास	अज़ाब	जहां से	ना वो शऊर रखते थे	तो चखाई उन्हें	अल्लाह ने		
الْخِزْيَ	فِي الْحَيَاةِ	الدُّنْيَا ^ه	وَلْعَذَابُ	الْآخِرَةِ	أَكْبَرُ ^م	لَوْ	كَانُوا
रुस्वाई	ज़िंदगी में	दुनिया की	और अलबत्ता अज़ाब	आखिरत का	ज़्यादा बड़ा है	काश	होते वो
يَعْلَمُونَ ²⁶	وَلَقَدْ	ضَرَبْنَا	لِلنَّاسِ	فِي هَذَا الْقُرْآنِ	مِنْ كُلِّ	مَثَلٍ	
वो जानते	और अलबत्ता तहकीक़	बयान की हमने	लोगों के लिए	इस कुरआन में	हर किस्म की	मिसाल	
لَعَلَّهُمْ	يَتَذَكَّرُونَ ²⁷	قُرْآنًا	عَرَبِيًّا	غَيْرَ	ذِي	عَوَجٍ	لَعَلَّهُمْ
शायद कि वो	वो नसीहत पकड़ें	कुरआन	अरबी	नहीं है	टेढ़ वाला	शायद कि वो	

يَتَّقُونَ ②8	ضَرَبَ	اللَّهُ	مَثَلًا	رَجُلًا	فِيهِ	شُرَكَاءُ	مُتَشَكِّسُونَ
वो डरें	बयान की	अल्लाह ने	मिसाल	एक आदमी की	जिस में	कई शरीक हैं	बाहम झगड़ा करने वाले
وَرَجُلًا	سَلَمًا	لِرَجُلٍ ٥	هَلْ	يَسْتَوِينَ	مَثَلًا ٥	الْحَدُّ	
और एक शख्स	जो सालिम/पूरा है	एक ही शख्स के लिए	क्या	वो दोनों बराबर हो सकते हैं	मिसाल में	सब तारीफ़	
لِلَّهِ ٥	بَلْ	أَكْثَرُهُمْ	لَا يَعْلَمُونَ ②9	إِنَّكَ	مَيِّتٌ	وَأَنَّهُمْ	
अल्लाह के लिए है	बल्कि	अक्सर उनके	नहीं वो इल्म रखते	बेशक आप	मरने वाले हैं	और बेशक वो भी	
مَيِّتُونَ ③0	ثُمَّ	إِنَّكُمْ	يَوْمَ الْقِيَمَةِ	عِنْدَ	رَبِّكُمْ	تَخْضَعُونَ ③1	
मरने वाले हैं	फिर	बेशक तुम	दिन	क्रयामत के	पास	अपने रब के	तुम झगड़ा करोगे